हिंदी व्याकरण

4

लेखक :
आलोक शर्मा
(एम०ए०, बी०एड०)

नाम

कक्षा सैक्शन

स्कूल

घर का पता

दूरभाष : स्कूल

दूरभाष : घर

हिंदी व्याकरण

प्रस्तावना

हिंदी व्याकरण की यह श्रृंखला आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। इसे एन॰ सी॰ ई॰ आर॰ टी॰, इंटरस्टेट बोर्ड फॉर एंग्लो इंडियन एजुकेशन एवं अन्य प्रांतीय शिक्षा परिषदों द्वारा स्वीकृत नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार किया गया है।

इस श्रृंखला का उद्देश्य भाषा और व्याकरण का समुचित और सुबोध शैली में अध्ययन कराना है। छात्र व्याकरण को एक कठिन विषय के रूप में देखते हैं। इसलिए व्याकरण के जटिल नियमों को अत्यंत सरल और रोचक शब्दों में छात्रों तक पहुँचाना ही मेरा प्रयास है।

मेरा यह प्रयास छात्रों को अधिक रटने से बचाते हुए ज्ञानवर्धन करने के लिए है। अनेक चित्रों की सहायता से व्याकरण को समझाने का प्रयत्न किया गया है। अभ्यास में यथास्थान बहुवैकल्पिक प्रश्नों (MCQs) का समावेश किया गया है।

आशा है, यह प्रस्तुति विद्यार्थियों के लिए रुचिकर और उपयोगी सिद्ध होगी। आपसे अनुरोध है कि अपने अनुभवों और उपयोगी सुझावों से मुझे अवगत कराएँ।

धन्यवाद!

–लेखक

विषय सूची

खंड-'क' : व्याकरण (Grammar)

1. भाषा और व्याकरण (Language and Grammar) ... 5
2. वर्ण-विचार (Phonology) ... 9
3. शब्द-विचार (Morphology) ... 14
4. वाक्य-विचार (Syntax) ... 19
5. संज्ञा (Noun) ... 24
6. लिंग (Gender) ... 28
7. वचन (Number) ... 33
8. सर्वनाम (Pronoun) ... 38
9. विशेषण (Adjective) ... 43
10. क्रिया (Verb) ... 48
11. शब्द-भंडार (Vocabulary) ... 52
12. विराम-चिह्न (Punctuation) ... 62
13. मुहावरे (Idioms) ... 65

खंड-'ख' : रचना (Composition)

14. पत्र-लेखन (Letter-Writing) ... 69
15. कहानी-लेखन (Story-Writing) ... 74
16. निबंध-लेखन (Eassy-Writing) ... 77
17. संवाद-लेखन (Dialogue-Writing) ... 81
18. अपठित गद्यांश (Unseen Passage) ... 84
19. अनुच्छेद-लेखन (Paragraph-Writing) ... 87

1 भाषा और व्याकरण
(Language and Grammar)

दूसरों की बात समझना और उनको अपनी बात समझाना ही **विचारों का आदान-प्रदान** करना है।

विचारों को व्यक्ति के समक्ष लिखकर या बोलकर प्रकट करना ही **भाषा** कहलाता है।

भाषा व्याकरण का वह रूप है, जो व्याकरण में निष्पक्ष रूप से स्पष्ट होता है। प्रत्येक भाषा की एक वर्णमाला होती है।

भाषा के अनेक वर्ण होते हैं जिनका एक क्रम होता है। भाषा की एक लिपि होती है। हमारी राजभाषा हिंदी है। भाषा का ज्ञान, व्यक्तित्व के विकास, सामाजिक संबंधों व अन्य कई संबंधों के लिए परम आवश्यक है।

भाषा एक ऐसा साधन है, जिसके द्‌वारा हम अपने विचारों को व्यक्ति के समक्ष किसी भी रूप में प्रकट कर सकते हैं। भाषा द्‌वारा ही दूसरों के विचार समझे जाते हैं।

हिंदी, संस्कृत, सिंधी, पंजाबी, बंगला, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, तमिल, तेलुगु, नेपाली, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, गुजराती, असमिया, उड़िया, उर्दू आदि हमारे देश की कुछ प्रमुख भाषाएँ हैं।

भाषा को हम किसी व्यक्ति के समक्ष बोलकर अथवा लिखकर प्रकट करते हैं। अपनी भाषा दूसरों के समक्ष प्रकट करने के लिए भाषा के रूपों (भेदों) का ज्ञान होना आवश्यक है।

भाषा के भेद

भाषा के मुख्य रूप से दो भेद होते हैं–

1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा

1. मौखिक भाषा

मुख से बोली जाने वाली वह भाषा, जिसे सुनकर हम अन्य लोगों के भावों एवं विचारों को समझते हैं, **मौखिक भाषा** कहलाती है; जैसे–

दो लोगों की बातचीत

रेडियो पर प्रसारित होते समाचार

वक्ता का मंच पर भाषण

कक्षा में अध्यापक व विद्‌यार्थियों की बातचीत

2. लिखित भाषा

जब हम अपने भाव या विचार लिखकर प्रकट करते हैं और दूसरों के भाव या विचार स्वयं पढ़कर समझते हैं तो भाषा का यह रूप **लिखित भाषा** कहलाता है।

बालकों द्‌वारा उत्तर-पुस्तिका पर लिखना

लेखक द्‌वारा कहानी लिखना

कंप्यूटर के की-बोर्ड द्‌वारा स्क्रीन पर कुछ लिखना

पत्र लिखना

लिपि

जब भी हम कुछ बोलते हैं तो हमारे मुख से अनेक ध्वनियाँ निकलती हैं। इन ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ विशेष चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नों के लिखने की विधि लिपि कहलाती हैं।

भाषा को लिखने की विधि या ढंग को **लिपि** कहते हैं।

प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है; जैसे–

भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू	अरबी-फ़ारसी

हिंदी भाषा की लिपि **देवनागरी** है। हिंदी हमारी राजभाषा है।

व्याकरण

भाषा को शुद्‌ध रूप से बोलने, लिखने एवं पढ़ने के लिए व्याकरण का ज्ञान अति आवश्यक है।

व्याकरण से तात्पर्य भाषा संबंधी नियमों के शास्त्र से है।

जिस शास्त्र द्‌वारा हम भाषा को शुद्‌ध रूप से बोलना, लिखना व पढ़ना सीखते हैं, उसे **व्याकरण** कहते हैं।

व्याकरण भाषा के प्रमुख तीनों अंगों पर प्रकाश डालता है।

व्याकरण के अंग

व्याकरण के प्रमुख तीन अंग होते हैं–

1. वर्ण (letter) 2. शब्द (word) 3. वाक्य (sentence)

इनके विषय में आगे के अध्यायों में विस्तार से बताया जाएगा।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

- **(क)** भाषा के चार रूप होते हैं। ☐
- **(ख)** हिंदी की लिपि देवनागरी है। ☐
- **(ग)** व्याकरण से हम केवल कविता लिखना सीखते हैं। ☐
- **(घ)** वर्ण, शब्द और वाक्य भाषा के अंग हैं। ☐

2. रिक्त स्थान में उचित शब्द लिखिए–

- **(क)** हमारी राजभाषा ________ है।
- **(ख)** अंग्रेजी की लिपि ________ है।
- **(ग)** भाषा के ________ रूप होते हैं।
- **(घ)** भाषा को शुद्ध रूप से पढ़ना, लिखना व बोलना सिखाने वाले शास्त्र को ________ कहते हैं।

3. प्रश्नोत्तर–

- **(क)** भाषा किसे कहते हैं?

____

____

- **(ख)** लिपि किसे कहते हैं?

____

____

क्रियात्मक कौशल

- **पशु और पक्षी जिस ध्वनि का प्रयोग करके अपने विविध भावों को व्यक्त करते हैं, उसे पशु-पक्षियों की भाषा कहा जाता है। किन्हीं दस जानवरों के चित्र अपनी उत्तर-पुस्तिका में चिपकाइए एवं उनकी बोलियों को भी लिखिए।**

2

वर्ण-विचार
(Phonology)

बोलते समय हमारे मुख से अनेक ध्वनियाँ निकलती हैं।

ये ध्वनियाँ ही **वर्ण** हैं। इन्हें **अक्षर** भी कहते हैं।

वर्ण की मुख्य पहचान यह है कि इसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते। यह सबसे छोटी ध्वनि है।

भाषा की वह छोटी-से-छोटी इकाई जिसके और अधिक टुकड़े नहीं किए जा सकते, **वर्ण** कहलाती है।

निम्नांकित चित्रों को ध्यान से देखें एवं समझें–

पुस्तक

हाथी

अनार

मेज

पुस्तक –	प्	+	उ	+	स्	+	त्	+	अ	+	क्	+	अ
हाथी –	ह्	+	आ	+	थ्	+	ई						
अनार –	अ	+	न्	+	आ	+	र्	+	अ				
मेज –	म्	+	ए	+	ज्	+	अ						

इन उदाहरणों से वर्ण का स्वरूप आपको स्पष्ट हो गया होगा।

वर्ण के भेद

वर्ण दो प्रकार के होते हैं–

स्वर

व्यंजन

1. स्वर

जिन वर्णों के उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें **स्वर** कहते हैं।

हिंदी भाषा में स्वरों की संख्या 11 है–

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

2. व्यंजन

जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें **व्यंजन** कहते हैं।

हिंदी भाषा में 33 व्यंजन हैं–

क	ख	ग	घ	ङ	=	क वर्ग		
च	छ	ज	झ	ञ	=	च वर्ग		
ट	ठ	ड	ढ	ण	=	ट वर्ग	स्पर्श व्यंजन (25)	
त	थ	द	ध	न	=	त वर्ग		
प	फ	ब	भ	म	=	प वर्ग		
य	र	ल	व			अंतःस्थ व्यंजन (4)		
श	ष	स	ह			ऊष्म व्यंजन (4)		कुल 33

इनके अतिरिक्त हिंदी में कुछ अन्य वर्ण भी हैं। आइए, उन्हें भी जानें–

1. अयोगवाह

अं, **अँ** तथा **अः** **अयोगवाह** कहे जाते हैं।

अं – यह अनुस्वार कहलाता है।

इसका चिह्न (ं) है। इसका प्रयोग व्यंजन के ऊपर किया जाता है; जैसे– पंख, शंख, रंग, तरंग, पलंग, पतंग आदि।

अँ (ँ) – यह चंद्रबिंदु या अनुनासिक कहलाता है। इसे भी व्यंजन के ऊपर ही लगाते हैं; जैसे - गाँव, पाँव, साँप, बाँसुरी, हँसमुख आदि।

अः (ः) – इसे विसर्ग कहते हैं। इसका उच्चारण आधे 'ह्' की तरह किया जाता है; जैसे–
प्रातः, क्रमशः, निःसहाय, निःसंकोच आदि।

2. संयुक्त व्यंजन

दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजनों को **संयुक्त व्यंजन** कहा जाता है; जैसे-

क्ष (क् + ष) = रक्षा, कक्षा, भिक्षा।

□ा (त् + र) = छत्र, मित्र, पुत्र।

□ा (ज् + ञ) = यज्ञ, ज्ञान, ज्ञाता।

□ा (श् + र) = श्रम, श्रवण, आश्रम।

3. आगत वर्ण

हिंदी में कुछ वर्ण अन्य विदेशी भाषाओं से भी आए हैं, इन्हें **आगत वर्ण** कहते हैं।

ऑ – फ्रॉक, कॉलिज, डॉक्टर, हॉल, चॉकलेट, कॉफी आदि।

ज़ – ज़ुबान, मर्ज़, फर्ज़, कागज़ आदि।

फ़ – फ़न, फ़र्ज आदि।

वर्णमाला

सभी स्वर और व्यंजनों को मिलाकर वर्णमाला बनती है। वर्णमाला में वर्ण एक निश्चित क्रम से रखे जाते हैं।

एक निश्चित क्रम में रखे गए वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

मात्रा

लिखते समय जब स्वरों को व्यंजनों के साथ मिलाया जाता है तो उनका रूप बदल जाता है। उनका यही बदला हुआ रूप **मात्रा** कहलाता है।

व्यंजन के साथ चिह्न रूप में जुड़ने वाले स्वर ही मात्रा कहलाते हैं।

'अ' के अतिरिक्त सभी स्वरों की अपनी-अपनी मात्रा होती है।

'अ' सभी वर्णों के साथ पहले से ही जुड़ा होता है, इसलिए इसकी अलग से मात्रा नहीं होती।

स्वर	मात्रा	व्यंजन	मात्रा सहित	शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं	क् + आ	क	कल, कब
आ	ा	द् + आ	दा	दाम, दान
इ	ि	ग् + इ	गि	गिन, गिर
ई	ी	ख् + ई	खी	खीर, खील
उ	ु	ब् + उ	बु	बुन, बुध
ऊ	ू	ध् + ऊ	धू	धूप, धूल
ऋ	ृ	व् + ऋ	वृ	वृक्ष, वृत्त
ए	े	ज् + ए	जे	जेवर, जेल
ऐ	ै	थ् + ऐ	थै	थैला, भैया
ओ	ो	च् + ओ	चो	चोर, चोट
औ	ौ	म् + औ	मौ	मौसी, मौसम

'र' के विविध रूप

'र' के साथ 'उ' की मात्रा लगाने पर बना - रु

उदाहरण- रुपया, रुक, रुआँसा आदि।

'र' के साथ 'ऊ' की मात्रा लगाने पर बना - रू

उदाहरण – रूप, रूस, शुरू, जरूर आदि।

इसी प्रकार 'र' के अन्य प्रयोग भी हैं–

- र – राम, रात, राज़, राख।
- (ʿ) – पर्वत, गर्व, नर्स, शर्म।
- (͵ ‸) – शीघ्र, प्रण, प्रणाम, ग्राहक, ट्रक, ड्रम, राष्ट्र।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) ध्वनि ही–

वर्ण है ☐ वाक्य है ☐

(ख) वर्ण ही–

शब्द है ☐ अक्षर है ☐

(ग) भाषा की सबसे छोटी इकाई है–

शब्द ☐ वर्ण ☐

(घ) वर्ण के टुकड़े–

हो सकते हैं ☐ नहीं हो सकते ☐

2. निम्नलिखित वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए–

(क) र् + आ + म् + अ ____________

(ख) म् + आ + त् + आ ____________

(ग) ज् + अ + ग् + अ + ह् + अ ____________

(घ) प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ ____________

3. प्रश्नोत्तर–

(क) अयोगवाह कौन-कौन से हैं?

____

____

(ख) मात्रा किसे कहते हैं?

____

____

क्रियात्मक कौशल

- **दिए गए वर्णों से बने कुछ शब्द लिखिए–**

क्ष ________ ________ ________

त्र ________ ________ ________

ऑ ________ ________ ________

रू ________ ________ ________

रु ________ ________ ________

ज्ञ ________ ________ ________

अं ________ ________ ________

- **वर्णों पर मात्राएँ इस प्रकार लगाइए कि वह फूलों के नाम बन जाएँ तथा नामों को पुनः भी लिखिए–**

ग ल ब

____

च म ल

____

स र ज म ख

____

ग ड़ ह ग द

____

3 शब्द-विचार
(Morphology)

नीचे लिखे शब्द अनेक वर्णों के मेल से बने हैं, ध्यानपूर्वक पढ़िए–

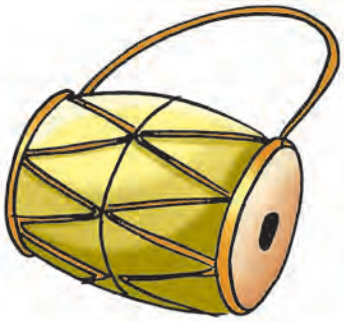

परदा – प + र + दा

कैंची – कैं + ची

ढोलक – ढो + ल + क

समोसा – स + मो + सा

इन सबका एक निश्चित अर्थ है।

वर्णों का वह सार्थक मेल जिसका एक निश्चित अर्थ होता है, शब्द कहलाता है।

अब यदि हम इन्हीं शब्दों के वर्णों को क्रम बदलकर लिखें तो–

द + र + पा – दरपा

ची + कैं – चीकैं

क + ल + ढो – कलढो

सा + मो + स – सामोस

ऊपर दिए गए वर्णों के मेल का कोई अर्थ नहीं निकलता, अतः वर्णों के ये मेल शब्द नहीं कहला सकते।

शब्दों के भेद

शब्दों के भेद मुख्यतः चार प्रकार से किए जाते हैं–

1. अर्थ के आधार पर
2. प्रयोग के आधार पर
3. रचना के आधार पर
4. उत्पत्ति के आधार पर

1. अर्थ के आधार पर शब्द के भेद

अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–

(क) सार्थक शब्द (ख) निरर्थक शब्द

(क) सार्थक शब्द (Meaningful Words)– जिस वर्ण-समूह का कोई अर्थ निकले, उसे **सार्थक शब्द** कहते हैं; जैसे– माता, पुस्तक, मेज, घड़ी आदि।

(ख) निरर्थक शब्द (Meaningless Words)– जिस वर्ण-समूह का कोई अर्थ न निकले, उसे **निरर्थक शब्द** कहते हैं। ऐसे शब्द वाक्य में प्रयुक्त होकर अर्थ देते हैं; जैसे– धाँय-धाँय, गड़गड़ाहट, छक-छक, बड़-बड़ आदि।

व्याकरण में केवल सार्थक शब्दों पर ही विचार किया जाता है।

2. प्रयोग के आधार पर शब्दों के भेद

दिए गए वाक्यों को ध्यान से पढ़िए–

(क) बालिका स्कूल जाती है। बालिकाएँ स्कूल जाती हैं।

(ख) गाय और भैंस घास चर रही हैं। गायें और भैंसें घास चर रही हैं।

पहले और दूसरे वाक्यों में कुछ शब्दों में लिंग, वचन और कारक आदि के कारण परिवर्तन हो गया है; जैसे पहले वाक्य में प्रयुक्त '**बालिका**' शब्द दूसरे वाक्य में '**बालिकाएँ**' बन गया है; '**जाती है**' के स्थान पर '**जाती हैं**' हो गया।

इस प्रकार वाक्य में प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के माने जाते हैं–

(क) विकारी (ख) अविकारी

(क) विकारी शब्द (Declinable Words)– वे शब्द जिनका रूप लिंग, वचन, कारक, आदि के कारण बदल जाता है; जैसे– ऊपर के वाक्य (क) में– बालिका–बालिकाएँ, आदि।

इसके चार भेद हैं–

(i) संज्ञा (ii) सर्वनाम (iii) विशेषण (iv) क्रिया

(ख) अविकारी शब्द (Indeclinable Words)– वे शब्द जिनका रूप लिंग, वचन, पुरूष्ज्ञ, आदि के कारण नहीं बदलता; जैसे– और, तथा, हाय, धीरे-धीरे, आदि।

इसके भी चार भेद हैं–

(i) क्रियाविशेषण (ii) संबंधबोधक (iii) योजक (iv) विस्मयादिबोधक

3. रचना के आधार पर शब्द के भेद

रचना के आधार पर शब्द के तीन भेद होते हैं–

(क) रूढ़ शब्द (ख) यौगिक शब्द (ग) योगरूढ़ शब्द

(क) रूढ़ शब्द (Traditional Words)– जो शब्द परंपरा से किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, भाव आदि के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें **रूढ़ शब्द** कहते हैं; जैसे– छत, दीवार, पहाड़, पुस्तक, सेवा आदि।

(ख) यौगिक शब्द (Combined Words)– दो अथवा दो से अधिक शब्दों से बने शब्द **यौगिक शब्द** कहलाते हैं; जैसे–

शिक्षालय	=	शिक्षा	+	आलय		हिमालय	=	हिम	+	आलय
दीपावली	=	दीप	+	आवली		पाठशाला	=	पाठ	+	शाला

(ग) योगरूढ़ शब्द (Traditional Combined Words)– जो शब्द अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ प्रकट करते हैं, उन्हें **योगरूढ़ शब्द** कहते हैं; जैसे– दशानन, पीतांबर, नीलकंठ, चतुर्भुज आदि।

4. उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के भेद

उत्पत्ति के आधार पर शब्दों को चार भागों में बाँटा गया है–

(क) तत्सम (ख) तद्‌भव (ग) देशज (घ) विदेशी

(क) तत्सम शब्द (Sanskrit Words)– जो शब्द संस्कृत भाषा से ग्रहण किए गए हैं, वे **तत्सम शब्द** कहलाते हैं; जैसे– उच्च, माता-पिता, गुरु, साधु, पुस्तक, पत्र, रात्रि आदि।

(ख) तद्‌भव शब्द (Modified Words)– जो शब्द संस्कृत भाषा से थोड़ा परिवर्तित होकर हिंदी भाषा में प्रयुक्त होते हैं, **तद्‌भव शब्द** कहलाते हैं;

जैसे–	दुग्ध	–	दूध	घृत	–	घी
	अग्नि	–	आग	सप्त	–	सात

(ग) देश□शब्द (Native Words)– जो शब्द भारत की प्रांतीय भाषाओं से लिए गए हैं, वे देशी या **देश□ा शब्द**कहलाते हैं; जैसे– खिड़की, पगड़ी, लकड़ी, शीशा, लड़का, पेटी आदि।

(□ा) विदेशा□शब्द (Foreign Words)– जो शब्द विदेशी भाषाओं से हिंदी में आ गए हैं, **विदेशा□शब्द** कहलाते हैं; जैसे–

अंग्रेजी	–	पेन, पेंसिल, रेडियो, टेलीविजन आदि।
अरबी	–	कानून, औरत, मकान, कलम आदि।
तुर्की	–	चाकू, कैंची, लाश, कालीन आदि।
फ़ारसी	–	दारोगा, खर्च, कागज, फौज आदि।
पुर्तगाली	–	तौलिया, पिस्तौल, कमरा, गमला आदि।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) शब्द का होता है–

एक अर्थ ☐ केवल वर्णों का जोड़ ☐

(ख) 'कलम' शब्द है–

निरर्थक ☐ सार्थक ☐

(ग) शब्द बनता है–

वाक्यों से ☐ वर्णों से ☐

(घ) अर्थ के आधार पर शब्द हैं–

चार प्रकार के ☐ दो प्रकार के ☐

2. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

रात – ____________ घी – ____________

पूत – ____________ माँ – ____________

पाँच – ____________ घर – ____________

हाथ – ____________ हाथी – ____________

3. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए–

अंगुष्ठ – ____________ रात्रि – ____________

कच्छप – ____________ ग्रंथि – ____________

आम्र – ____________ क्षेत्र – ____________

4. प्रश्नोत्तर–

(क) शब्द किसे कहते हैं?

____

____

____

(ख) कुछ निरर्थक शब्द लिखिए।

____

____

____

क्रियात्मक कौशल

- **वर्णों का क्रम ठीक करके इन्हें सार्थक शब्द बनाइए–**

स्तपुक ____________

पष्पु ____________

मनसु ____________

थीहा ____________

लीथा ____________

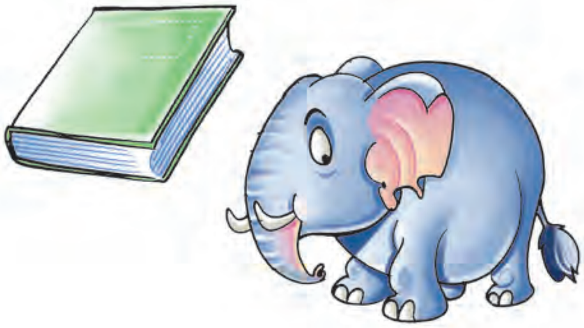

- **शब्द लड़ी बनाइए–**

मेज़

जल

लड्डू

____

____

____

4 वाक्य-विचार
(Syntax)

राम व्यायाम कर रहा है।

अजय-विजय लड़ाई करने लगे।

धोबी कपड़े धो रहा है।

वे शब्द जो मिलकर पूर्ण अर्थ प्रकट करते हैं, **वाक्य** कहलाते हैं। जब शब्द मिलकर वाक्य बनाते हैं तो वे शब्द न रहकर पद कहलाते हैं। इन पदों को व्याकरण के नियमों में बाँधकर वाक्य की रचना की जाती है।

वाक्य की रचना के नियम

1. कई पदों के सार्थक योग से वाक्य की रचना की जाती है।
2. कर्ता और क्रिया के बिना वाक्य अधूरा रहता है।
3. वाक्य हमारे मनोभावों को पूर्णरूप से प्रकट करने में समर्थ होना चाहिए।
4. वाक्य में आने वाले पदों का एक विशेष क्रम होता है।

उदाहरण के लिए नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़िए–

(क) बालक स्कूल जाना।

(ख) वह रोज़ नहाना।

ऊपर दिए गए वाक्यों में सभी शब्दों के अपने-अपने अर्थ हैं। परंतु ये शब्द हमारी बात को पूरी तरह स्पष्ट करने में समर्थ नहीं हैं, क्योंकि ये शब्द व्याकरण के नियमों में नहीं बँधे हैं। इन शब्दों को व्याकरण के नियमों में बाँधकर हम इस प्रकार लिख सकते हैं–

(क) बालक स्कूल जाता है। (ख) वह रोज़ नहाता है।

अब ये शब्द पूर्ण अर्थ को प्रकट कर रहे हैं तथा ये अब पद बन गए हैं। इस प्रकार ये पूर्ण वाक्य हैं, जो पूर्ण अर्थ को प्रकट कर रहे हैं।

शब्दों के पारस्परिक मेल को जिससे पूर्ण अर्थ प्रकट हो, 'वाक्य' कहते हैं।

वाक्य के अंग

वाक्य के निम्नलिखित दो अंग होते हैं–

1. उद्‌देश्य 2. विधेय

1. **उद्‌देश्य (Subject)**– वाक्य का वह अंग जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, उसे '**उद्‌देश्य**' कहते हैं।

राम *पुस्तक पढ़ रहा है।*

सीता *सेब खा रही है।*

2. **विधेय (Predicate)**— उद्‌देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे '**विधेय**' कहते हैं।

निम्नलिखित वाक्यों में उद्‌देश्य और विधेय की स्थिति को देखिए और पढ़िए–

	उद्‌देश्य	विधेय
(क)	राम ने	रावण को मारा।
(ख)	हिमालय को	भारत का मुकुट कहा जाता है।
(ग)	राजू	सो रहा है।
(घ)	पूजा	खाना बना रही है।
(ङ)	लोगों ने	शिक्षा के महत्त्व को जान लिया है।
(च)	मेट्रो रेल	बहुत सुंदर है।

रचना के आधार पर वाक्य के प्रकार

रचना के आधार पर वाक्य निम्नलिखित तीन प्रकार के होते हैं–

1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्रित वाक्य

1. **सरल वाक्य (Simple Sentences)–** सरल वाक्यों में केवल एक उद्देश्य तथा एक विधेय होता है; जैसे–

(क) विशाल पढ़ता है।

(ख) तमन्ना खेलती है।

2. **संयुक्त वाक्य (Compound Sentences)–** दो उपवाक्यों के मेल से बने वाक्यों को 'संयुक्त वाक्य' कहते हैं; जैसे–

(क) वह पढ़ता है और नौकरी भी करता है।

(ख) हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला है और भारत की राजधानी दिल्ली है।

3. **मिश्रित वाक्य (Complex Sentences)–** इन वाक्यों में एक मुख्य उपवाक्य होता है और एक या एक से अधिक उपवाक्य उस पर आश्रित होते हैं; जैसे–

(क) अध्यापक ने कहा कि कल स्कूल बंद रहेगा।

(ख) प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि सुनामी लहरों से पीड़ित लोगों की सहायता के लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे।

प्रयोग के आधार पर वाक्य के प्रकार

प्रयोग के आधार पर वाक्य निम्नलिखित आठ प्रकार के होते हैं–

1. **विधानार्थक वाक्य–** जिन वाक्यों में क्रिया के करने अथवा होने की स्थिति का बोध कराने वाले सामान्य कथन हों, वे विधानार्थक वाक्य कहलाते हैं; जैसे–

(क) पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। (ख) उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ है।

2. **प्रश्नवाचक वाक्य–** वे वाक्य जिनमें प्रश्न पूछा या किया जाता है, उन्हें 'प्रश्नवाचक' वाक्य कहा जाता है; जैसे–

(क) तुम्हारा क्या नाम है? (ख) आप कौन-सी कक्षा में पढ़ते हैं?

3. **निषेधात्मक वाक्य–** वे वाक्य जिनमें क्रिया के न होने या न करने का पता चले, उन्हें 'निषेधात्मक वाक्य' कहते हैं। जैसे–

(क) दिलीप ने काम नहीं किया। (ख) वह बूढ़ा व्यक्ति चल नहीं सकता।

4. **आज्ञार्थक वाक्य–** जिन वाक्यों में किसी बात या कार्य के लिए आज्ञा, उपदेश, आदेश और प्रार्थना का पता चले, उन्हें 'आज्ञार्थक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

(क) कृपया पत्र का उत्तर शीघ्र दें। (ख) अंदर जाकर पढ़ो।

5. **इच्छार्थक वाक्य–** इन वाक्यों में इच्छा, आशा, कामना, आशीर्वाद, आदि का भाव प्रकट होता है; जैसे–

(क) ईश्वर करे तुम्हें हर काम में सफलता प्राप्त हो। (ख) आपकी यात्रा मंगलमय हो।

6. **संकेतार्थक वाक्य–** जिन वाक्यों में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर करता है, उन्हें 'संकेतार्थक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

(क) बिजली आएगी तो अंधकार दूर होगा। (ख) यदि आप चलते तो अच्छा रहता।

7. **संदेहार्थक वाक्य–** जिन वाक्यों में संदेह या संभावना प्रकट हो, उन्हें 'संदेहार्थक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

(क) शायद आज वर्षा होगी। (ख) हो सकता है बूढ़ा मर जाए।

8. **विस्मयादिबोधक वाक्य–** जिन वाक्यों में विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा, आदि का भाव प्रकट हो, उन्हें 'विस्मयादिबोधक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

(क) अहा! कितना सुंदर फूल है। (ख) अरे! आज तो मैं घूमने जाऊँगा।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) पदों के सार्थक व व्यवस्थित रूप को क्या कहते हैं?

शब्द ☐ वाक्य ☐
पत्र ☐ अनुच्छेद ☐

(ख) 'हाथी नाचता है।' वाक्य में विधेय होगा–

हाथी ☐ नाचता ☐
है ☐ नाचता है ☐

(ग) वाक्य के कितने अंग होते हैं?

एक ☐ दो ☐
तीन ☐ पाँच ☐

2. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय अलग कीजिए–

	वाक्य	उद्देश्य	विधेय
(क)	मोर नाच रहा है।	________	________
(ख)	तमन्ना पुस्तक पढ़ती है।	________	________
(ग)	बच्चा सो गया।	________	________
(घ)	कृष्ण ने कंस को मारा।	________	________
(ङ)	नेता भाषण देता है।	________	________

3. प्रश्नोत्तर–

(क) वाक्य किसे कहते हैं? वाक्य के कितने अंग होते हैं?

____

____

(ख) रचना के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते हैं? प्रत्येक का नाम लिखिए।

____

____

(ग) प्रयोग के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक का भाव प्रकट कीजिए।

____

____

क्रियात्मक कौशल

- **'विद्यालय में मेरा पहला दिन' विषय पर लगभग चार से छह पक्तियाँ लिखें और उनमें से उद्देश्य और विधेय को छाँटकर उन्हें रेखांकित करें–**

1. ____
2. ____
3. ____
4. ____
5. ____
6. ____

5 संज्ञा (Noun)

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी या भाव आदि के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।

जैसे– मेज़, मधु, आग, पर्वत, झरना, दीपावली आदि।

यह बहुत बड़ा **बाज़ार** है।

लोग यहाँ दूर-दूर से आते हैं।

महिलाएँ सब्ज़ियाँ खरीद रही हैं।

दादा जी सड़क पार कर रहे हैं।

चिंटू, **अमन दुकान** पर खड़े हैं।

बाज़ार में बहुत **भीड़** है।

सभी **लोगों** के चेहरे **प्रसन्नता** से भरे हुए हैं।

इन वाक्यों में आए सभी रंगीन शब्द संज्ञा के भिन्न रूपों को दर्शा रहे हैं। अतः ये सभी संज्ञा हैं।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के तीन भेद प्रमुख होते हैं–

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(ख) जातिवाचक संज्ञा

(ग) भाववाचक संज्ञा

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा

किसी विशेष व्यक्ति, प्राणी, वस्तु या स्थान के नाम को **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

जैसे– यह **औघड़नाथ** का मंदिर है।

यह **मेरठ** नगर में है।

यहाँ **शिव-पार्वती** व **राधा-कृष्ण** की भव्य प्रतिमाएँ हैं।

लोग **हरिद्वार** से जल लाकर यहाँ चढ़ाते हैं।

ऊपर लिखे वाक्यों में रंगीन शब्द किन्हीं विशेष व्यक्तियों, स्थानों आदि के नाम हैं। इस प्रकार के विशेष नामों को **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

(ख) जातिवाचक संज्ञा

जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान को न बताकर पूरी जाति का बोध कराते है, उन्हें **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं; जैसे– बालक, माता-पिता, मंदिर, वकील, डॉक्टर आदि।

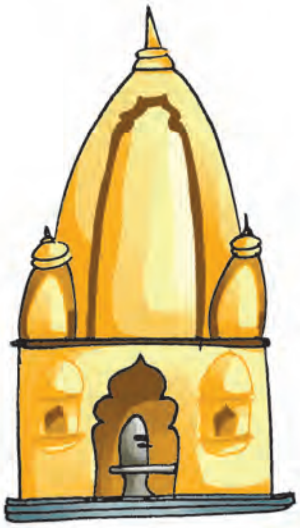

(ग) भाववाचक संज्ञा–

जो शब्द किसी भाव, दशा, अवस्था या गुण-दोष आदि का बोध कराते हैं, उन्हें **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं; जैसे- सभी **आनंद** चाहते हैं। यह **भलाई** के मार्ग पर चलकर ही मिल सकता है। जो लोग **प्रेम** छोड़कर आपस में **घृणा** करते हों, उन्हें आनंद भला कैसे मिलेगा?

इन वाक्यों में सभी रंगीन शब्द भाववाचक संज्ञाएँ हैं।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) संज्ञा शब्द का अर्थ है–

नाम ☐	ज्ञान ☐
दोनों ☐	कोई नहीं ☐

(ख) इनमें से कौन-सा संज्ञा का भेद नहीं है–

व्यक्तिवाचक ☐	पुरुषवाचक ☐
जातिवाचक ☐	भाववाचक ☐

(ग) निम्नलिखित में से व्यक्तिवाचक संज्ञा का उदाहरण है–

गंगा ☐	गीता ☐
दोनों ☐	कोई नहीं ☐

(घ) जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण है–

महानगर ☐	महाभारत ☐
महाराष्ट्र ☐	कोई नहीं ☐

2. रंगीन शब्दों के संज्ञा-भेद लिखिए–

(क) **नमिता** सितार बजा रही है। ______________

(ख) **होली** के त्योहार पर सब एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। ______________

(ग) **बुढ़ापे** में प्रायः रोग घेर लेते हैं। ______________

(घ) तुमसे मिलकर हार्दिक **प्रसन्नता** हुई। ______________

(□) बालकों ने बड़ा **□ोर**मचाया हुआ है। ______________

3. उचित संज्ञा शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) अधिक-से-अधिक ____________ करो ताकि तुम्हें सफलता मिले।

(ख) ____________ के दिन नमाज पढ़कर लोग गले मिलते हैं।

(ग) गंगा नदी ____________ में है।

(घ) दिल्ली का ____________ किला लाल पत्थरों से बना है।

4. निम्नलिखित को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए–

(क) भाववाचक संज्ञा

____

____

____

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा

____

____

____

क्रियात्मक कौशल

- **संज्ञा शब्दों के मोती चुनकर माला में पिरोइए–**

मैं, लक्ष्मीबाई, कलम, मेज, हम, पीपल, हिरन, अदरक, स्वयं, आम, पेड़

6 लिंग
(Gender)

किसी जाति विशेष का ज्ञान कराने वाले शब्दों को **लिंग** कहते हैं।

शालू, सोनू, रमन छत पर बैठे हुए पढ़ रहे थे।

अचानक **बारिश** आ गई।

रमन का **बस्ता** भीग गया।

शालू की **कॉपियाँ** गीली हो गईं।

सोनू ज़्यादा भीग गया था।

माँ कपड़े उतारने छत पर आईं।

बच्चे जीने से नीचे उतर गए।

इन वाक्यों में सभी रंगीन शब्द लिंग के प्रायः दो रूप प्रकट कर रहे हैं, इन लिंग के रूपों को जानने के लिए आइए हम लिंग के भेद का ज्ञान अर्जित करते हैं।

मुख्य रूप से लिंग के दो भेद होते हैं–

1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

1. पुल्लिंग

पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द **पुल्लिंग** कहलाते हैं; जैसे– सोनू, रमन, बस्ता, जीना, कपड़े आदि।

2. स्त्रीलिंग

स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द **स्त्रीलिंग** कहलाते हैं; जैसे– शालू, छत, बारिश, कॉपियाँ, माँ आदि।

यहाँ कुछ पुल्लिंग और उनके स्त्रीलिंग शब्द दिए गए हैं, इन्हें पढ़कर समझिए और याद कीजिए–

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
छात्र	छात्रा
बकरा	बकरी
पिता	माता
गायक	गायिका
दादा	दादी
सेठ	सेठानी
लुहार	लुहारिन
ससुर	सास
वर	वधू
अध्यापक	अध्यापिका
डिब्बा	डिबिया
गुड्डा	गुड़िया
सखा	सखी
देव	देवी
शिष्य	शिष्या
सेवक	सेविका
लेखक	लेखिका
पंडित	पंडिताइन

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बेटा	बेटी
आदमी	औरत
राजा	रानी
गधा	गधी
मोर	मोरनी
बंदर	बंदरिया
नर	मादा
भाई	बहन
जाट	जाटनी
शेर	शेरनी
बूढ़ा	बुढ़िया
लोटा	लुटिया
सुनार	सुनारिन
पुत्र	पुत्री
घोड़ा	घोड़ी
बालक	बालिका
ऊँट	ऊँटनी
माली	मालिन

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मामा	मामी	ठाकुर	ठकुराइन
प्रिय	प्रिया	कुम्हार	कुम्हारिन
चिड़ा	चिड़िया	गायक	गायिका
भिखारी	भिखारिन	चूहा	चुहिया
बहनोई	बहन	धोबी	धोबिन
दूल्हा	दुल्हन	हंस	हंसिनी
कुत्ता	कुतिया	बैल	गाय

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का बोध होता है, उसे क्या कहते हैं?

सर्वनाम ☐ लिंग ☐
वचन ☐ वर्ण ☐

(ख) पुल्लिंग शब्द किस जति का बोध कराते हैं?

पुरुष ☐ स्त्री ☐
दोनों ☐ कोई नहीं ☐

(ग) स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द कहलाते हैं?

लिंग ☐ पुल्लिंग ☐
स्त्रीलिंग ☐ सर्वनाम ☐

2. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

प्रिया - ____________ ठाकुर - ____________
याचक - ____________ जाटनी - ____________
बहनोई - ____________ सास - ____________

3. पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्दों को अलग-अलग लिखिए–

कागज, नाव, चूहा, मोती, माली, पकौड़ी, नदी, पेंसिल, जूता, चटनी।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________

(नोट : कुछ शब्द स्त्रीलिंग रूप से प्रयोग किए जाते हैं; जैसे- नदी बहती है। (स्त्रीलिंग) और कुछ पुल्लिंग रूप में प्रयोग किए जाते हैं; जैसे- दूध गर्म है। (पुल्लिंग)

(इसी प्रकार सामान्य ज्ञान से उक्त प्रश्नावली पूरी करें)।

4. निम्नलिखित शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए–

वर ____________ पुत्र ____________

नर ____________ शिष्य ____________

चोर ____________ घोड़ा ____________

डिब्बा ____________ चिड़ा ____________

5. सही शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) चारपाई गिर ____________ । (गया/गई)

(ख) बादल छा ____________ । (गई/गए)

(ग) बरसात होने ____________ । (लगा/लगी)

(घ) लू चल ____________ । (पड़ा/पड़ी)

6. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए व रेखांकित शब्दों का लिंग बदलकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) माँ देखो! चिड़ा और ____________ तिनके लाकर घोंसला बना रहे हैं।

(ख) इस गीत को गायक और ____________ दोनों ने गाया है।

(ग) आज हमारा पड़ोसी भी चला गया और ____________ भी।

(घ) मेरे कपड़े धोबिन नहीं, ____________ धोता है।

(□) इस उत्सव में बालक और ____________ सब आमंत्रित हैं।

7. निम्नलिखित शब्दों के सामने लिखिए कि ये पुल्लिंग हैं या स्त्रीलिंग–

कुरसी	स्त्रीलिंग	आकाश	
बादल		धरती	
पेड़		पानी	
पर्वत		हवा	
पौधा		आग	

8. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए–

हिरन		छात्रा	
लड़का		पुत्र	
पिता		बेटा	
गाय		मुरगा	

9. प्रश्नोत्तर–

(क) लिंग किसे कहते हैं?

(ख) पुल्लिंग और स्त्रीलिंग में क्या अंतर है?

क्रियात्मक कौशल

- **निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग शब्दों को पहचानकर उनके नीचे रेखा खींचिए–**

मेज़	घास	हवा	कटोरा
पलंग	कलम	दवात	शीशा
हार	माला	सरदी	वसंत

- **अपनी उत्तर–पुस्तिका में चित्रों के माध्यम से पुल्लिंग और स्त्रीलिंग के अंतर को स्पष्ट कीजिए।**
- **अपने आसपास पायी जाने वाली विभिन्न वस्तुओं को उनके लिंग के अनुसार वर्गीकृत कीजिए।**

7 वचन
(Number)

शब्द के जिस रूप से हमें उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे **वचन** कहते हैं। जैसे–

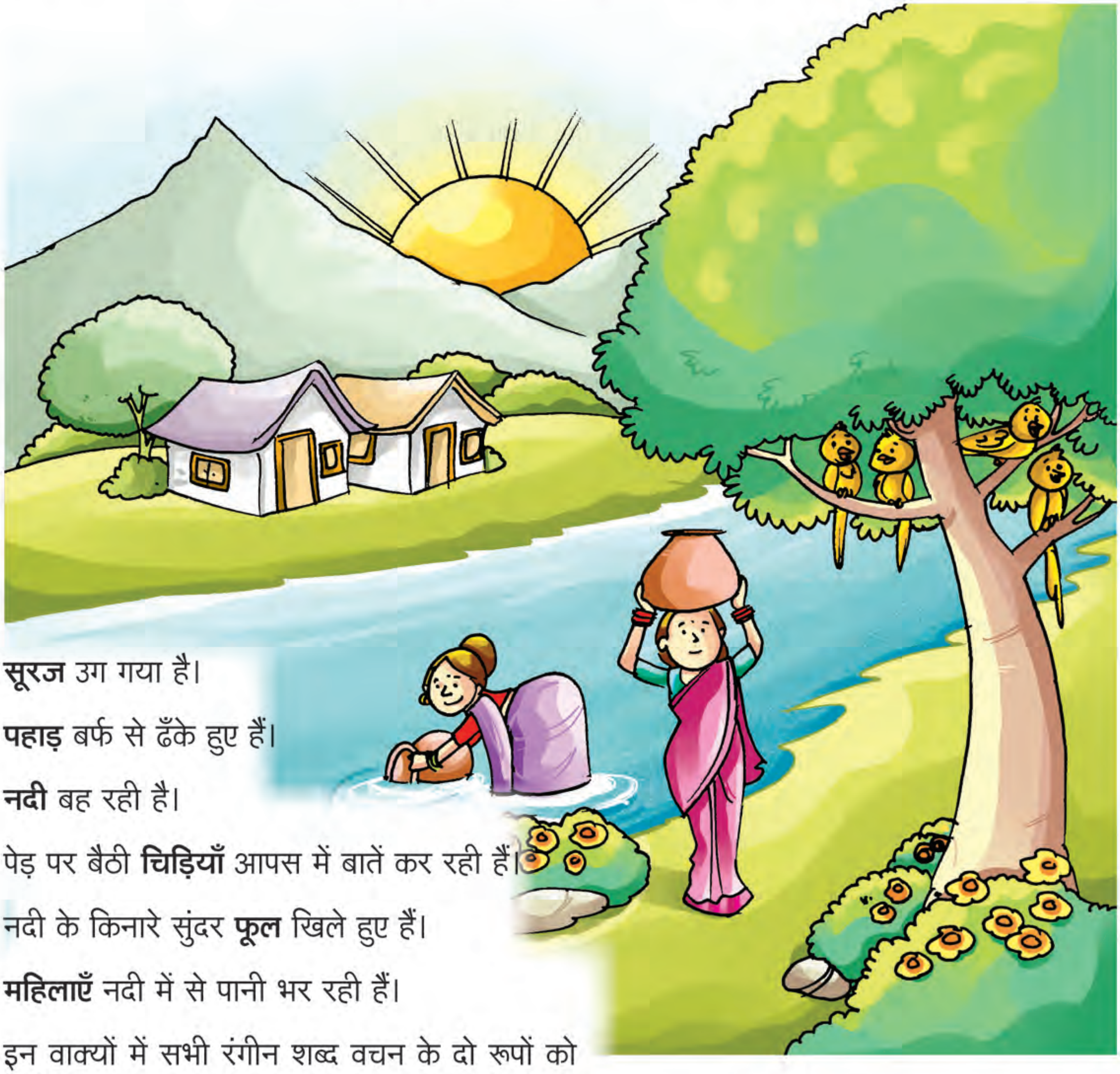

सूरज उग गया है।

पहाड़ बर्फ से ढँके हुए हैं।

नदी बह रही है।

पेड़ पर बैठी **चिड़ियाँ** आपस में बातें कर रही हैं।

नदी के किनारे सुंदर **फूल** खिले हुए हैं।

महिलाएँ नदी में से पानी भर रही हैं।

इन वाक्यों में सभी रंगीन शब्द वचन के दो रूपों को प्रदर्शित कर रहे हैं। आइए, वचन के इन रूपों को जानें!

वचन के मुख्य रूप से दो भेद होते हैं–

1. एकवचन 2. बहुवचन

1. एकवचन

संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का पता चलता है, उसे **एकवचन** कहते हैं; जैसे- कुर्सी, चूड़ी, खिड़की आदि।

2. बहुवचन

संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे **बहुवचन** कहते हैं; जैसे– कुर्सियाँ, चूड़ियाँ, खिड़कियाँ आदि।

इसी प्रकार नीचे दिए गए उदाहरणों को पढ़कर समझिए-

एकवचन	बहुवचन
पुस्तक	पुस्तकें
मेज	मेजें
बेटा	बेटे
माला	मालाएँ
लड़की	लड़कियाँ
मुर्गा	मुर्गे
रीति	रीतियाँ
कहानी	कहानियाँ
चुहिया	चुहियाँ
बाँह	बाँहें
बदंरिया	बंदरियाँ
गाड़ी	गाड़ियाँ
मशीन	मशीनें
डिबिया	डिबियाँ
माचिस	माचिसें
परदा	परदे
पतंग	पतंगें
कथा	कथाएँ
चादर	चादरें
चम्मच	चम्मचें

एकवचन	बहुवचन
रात	रातें
बहन	बहनें
कपड़ा	कपड़े
माता	माताएँ
चीता	चीते
सेना	सेनाएँ
टोकरी	टोकरियाँ
अध्यापिका	अध्यापिकाएँ
बालिका	बालिकाएँ
बुढ़िया	बुढ़ियाँ
सती	सतियाँ
बहू	बहुएँ
कन्या	कन्याएँ
चिड़िया	चिड़ियाँ
बंदूक	बंदूकें
थाली	थालियाँ
सब्ज़ी	सब्ज़ियाँ
चटनी	चटनियाँ
मोमबत्ती	मोमबत्तियाँ
घड़ी	घड़ियाँ

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे क्या कहते हैं?

लिंग ☐ वचन ☐

भाषा ☐ पद ☐

(ख) किसी एक ही व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाले शब्दों के रूप को क्या कहते हैं?

एकवचन ☐ द्विवचन ☐

त्रिवचन ☐ बहुवचन ☐

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से एकवचन है–

आँखें ☐ बहनें ☐

भैंसे ☐ पुस्तक ☐

2. निम्नलिखित शब्दों को सही स्थान पर लिखिए–

छुरी, मेज, टोकरी, साड़ी, झंडे, चूहा,
मोमबत्ती, इस्तरी, कंचा, पतंगें, चूड़ियाँ, कॉपियाँ
चम्मचें, थालियाँ, मेजें साड़ियाँ

एकवचन	बहुवचन
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________

3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्यों को पुनः लिखिए–

(क) उसकी साड़ी नई थी।

____

(ख) उसने मिठाइयाँ खाईं।

____

(ग) कुर्सी बाहर रख दो।

____

(घ) कलश में जल भर लाओ।

____

4. निम्नलिखित को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए–

(क) एकवचन

____

____

____

____

(ख) बहुवचन

____

____

____

____

5. नीचे कुछ शब्द दिए जा रहे हैं, उनका सही वचन (रूप) वाक्य के अनुसार लिखकर वाक्य पूरे कीजिए– (यदि उचित लगे तो शब्द बिना परिवर्तन के भी प्रयोग करें)–

नया, कंगन, गुच्छों, कपड़ा, युवती, जंगल

(क) दीवाली पर लोग __________ __________ खरीदते हैं।

(ख) __________ की कलाइयों में __________ सजे थे।

(ग) लकड़ियों के लिए __________ का सफाया किया जा रहा है।

(घ) अंगूर के __________ को पेटियों में भर लो।

6. **निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए तथा बताइए कि इनमें रेखांकित संज्ञा शब्दों का प्रयोग एकवचन है या बहुवचन? सही वचन पर (✓) का निशान लगाइए–**

(क)	वर्षा की बूँदें पड़ते ही फूल खिलखिला उठे।	एकवचन	☐	बहुवचन	☐
(ख)	जंगलों में हिंसक पशु हैं।	एकवचन	☐	बहुवचन	☐
(ग)	आपने यह उत्तर बहुत अच्छा लिखा।	एकवचन	☐	बहुवचन	☐
(घ)	नीचे लिखे प्रश्न पढ़िए।	एकवचन	☐	बहुवचन	☐
(ङ)	इस सड़क पर पुस्तकालय है।	एकवचन	☐	बहुवचन	☐

क्रियात्मक कौशल

- **दिए गए शब्दों का प्रयोग उचित स्थान पर कीजिए–**

किताबें, कॉपियाँ, बातें, कपड़े, बूँदें

हम भाई-बहन छत पर बैठे पढ़ रहे थे कि अचानक आसमान से टपा-टप ____________ बरसने लगीं। देखते-ही-देखते हमारी ____________ भीग गईं।

हमने अपनी ____________ उठाईं और नीचे की ओर दौड़ लगाई।

माँ ने छत पर सुखाए ____________ समेटे।

मेरा भाई रमन ____________ करता हुआ नीचे उतर गया।

- **निम्नलिखित वाक्यों में छपे रंगीन शब्दों के वचन बदलकर नए वाक्य बनाइए–**

(क) फल में मिठास है।

____

(ख) माँ ने बेसन की रोटी बनाई।

____

(ग) मेहमान को माला पहनाई और मिठाई खिलाई।

____

(घ) बच्चा खेल रहा है।

____

(ङ) खिलाड़ी दौड़ **रहा है**।

____

8 सर्वनाम
(Pronoun)

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को **सर्वनाम** कहते हैं।

जैसे– मैं, तुम, यह, वह, आप, हम, सब, उसे, उसके, उसने, मेरा, हमारा, सबने आदि।

यह **मेरा** विद्यालय है।

मेरा विद्यालय जिले का सबसे बड़ा विद्यालय है।

चीनू, मोंटी प्रतिदिन यहाँ विद्यालय में आते हैं।

मुझे विद्यालय आना बहुत अच्छा लगता है।

इसमें 40 कमरे हैं।

इसकी इमारत बहुत ऊँची है।

मेरे दिद्यालय में खेलने के चार मैदान हैं।

सभी छात्र यहाँ खूब मन से पढ़ाई करने आते हैं।विद्यालय के प्रत्येक कक्ष में खिड़की की सुलभ सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के प्रमुख भेद इस प्रकार हैं–

सर्वनाम

- पुरुषवाचक सर्वनाम
- प्रश्नवाचक सर्वनाम
- निश्चयवाचक सर्वनाम
- संबंधवाचक सर्वनाम
- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- निजवाचक सर्वनाम

1. पुरुषवाचक सर्वनाम

बोलने वाले, सुनने वाले तथा अन्य व्यक्तियों के लिए प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम **पुरुषवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं; जैसे–

मैं पानी पीता हूँ।	(कहने वाला)
तुम क्या कर रहे हो?	(सुनने वाला)
वह सो गया।	(अन्य व्यक्ति)

इन्हें इन नामों से भी जाना जाता है–

(क)	कहने वाला (उत्तम पुरुष)	(मैं, हम, मेरा, हमारा आदि)
(ख)	सुनने वाला (मध्यम पुरुष)	(तुम, तू, आप, आपको आदि)
(ग)	अन्य व्यक्ति (अन्य पुरुष)	(वह, वे, उस, उसे आदि)

2. निश्चयवाचक सर्वनाम

किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाले सर्वनाम, **निश्चयवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं; जैसे–

यह *विद्‌यालय है।*

वह *अस्पताल है।*

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाले सर्वनाम, **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं।

कोई *दरवाजे पर है।*

शरबत में **कुछ** *गिर गया है।*

यहाँ यह बात अनिश्चित है कि दरवाज़े पर कौन है और शरबत में क्या गिरा है? अतः यहाँ अनिश्चयवाचक सर्वनामों का प्रयोग स्पष्ट है।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम

प्रश्न पूछने के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है, वे **प्रश्नवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं; जैसे–

कौन-कौन *चलने के लिए तैयार हैं?*

आपको **किससे** *मिलना है?*

5. संबंधवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द वाक्य में आए सर्वनाम या संज्ञा शब्दों से संबंध जोड़ते हैं, उन्हें **संबंधवाचक सर्वनाम** कहा जाता है; जैसे–

जो *पढ़ेगा,* **वह** *उत्तीर्ण होगा।*

जैसी *करनी,* **वैसी** *भरनी।*

6. निजवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनामों का प्रयोग स्वयं के लिए किया जाता है, वे **निजवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं; जैसे–

मैं वस्त्र **स्वयं** *सिल लेती हूँ।*

मैंने **अपना** *काम कर दिया है।*

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?

विशेषण ☐ सर्वनाम ☐

दोनों ☐ कोई नहीं ☐

(ख) सर्वनाम का प्रयोग क्यों किया जाता है?

संक्षिप्तता लाने हेतु ☐ पुनरावृत्ति दोष से बचने हेतु ☐

दोनों ☐ कोई नहीं ☐

(ग) 'यह मेरा घर है।' – यह वाक्य किस सर्वनाम का उदाहरण है?

निश्चयवाचक ☐ निजवाचक ☐

दोनों ☐ कोई नहीं ☐

2. सर्वनाम शब्दों के नीचे रेखा खींचिए–

(क) तुम कब आए?

(ख) वह तेजी से चिल्लाया।

(ग) आप यहाँ बैठिए।

(घ) दीपांशु ने अपनी माँ की बहुत सेवा की।

3. **उचित सर्वनाम शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) रमेश सो गया, __________ बहुत थका हुआ था। (उस/वह)

(ख) __________ अपना सामान __________ उठाएँगे। (वह/वे/अपना/स्वयं)

(ग) रीता ने __________ चाय बनाई और मेहमानों को पिलाई। (स्वयं/हम)

(घ) उसे याद दिलाना कि __________ घड़ी लाना न भूले। (उस/वह)

4. **निम्नलिखित को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए–**

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम

____

____

(ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम

____

____

क्रियात्मक कौशल

- **निम्नलिखित संज्ञा व सर्वनाम शब्दों को उचित स्थान पर अलग-अलग लिखिए–**

गुल्लक, पत्ता, मैं, हम,
हवा, कलश, वृक्ष, कुम्हार,
वह, तुम, आप, तू

संज्ञा	सर्वनाम
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________

9 विशेषण
(Adjective)

संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को **विशेषण** कहते हैं।

विशेषण का अर्थ है विशेषता अर्थात् वे सभी शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के विषय में बताते हैं, विशेषण कहलाते हैं।

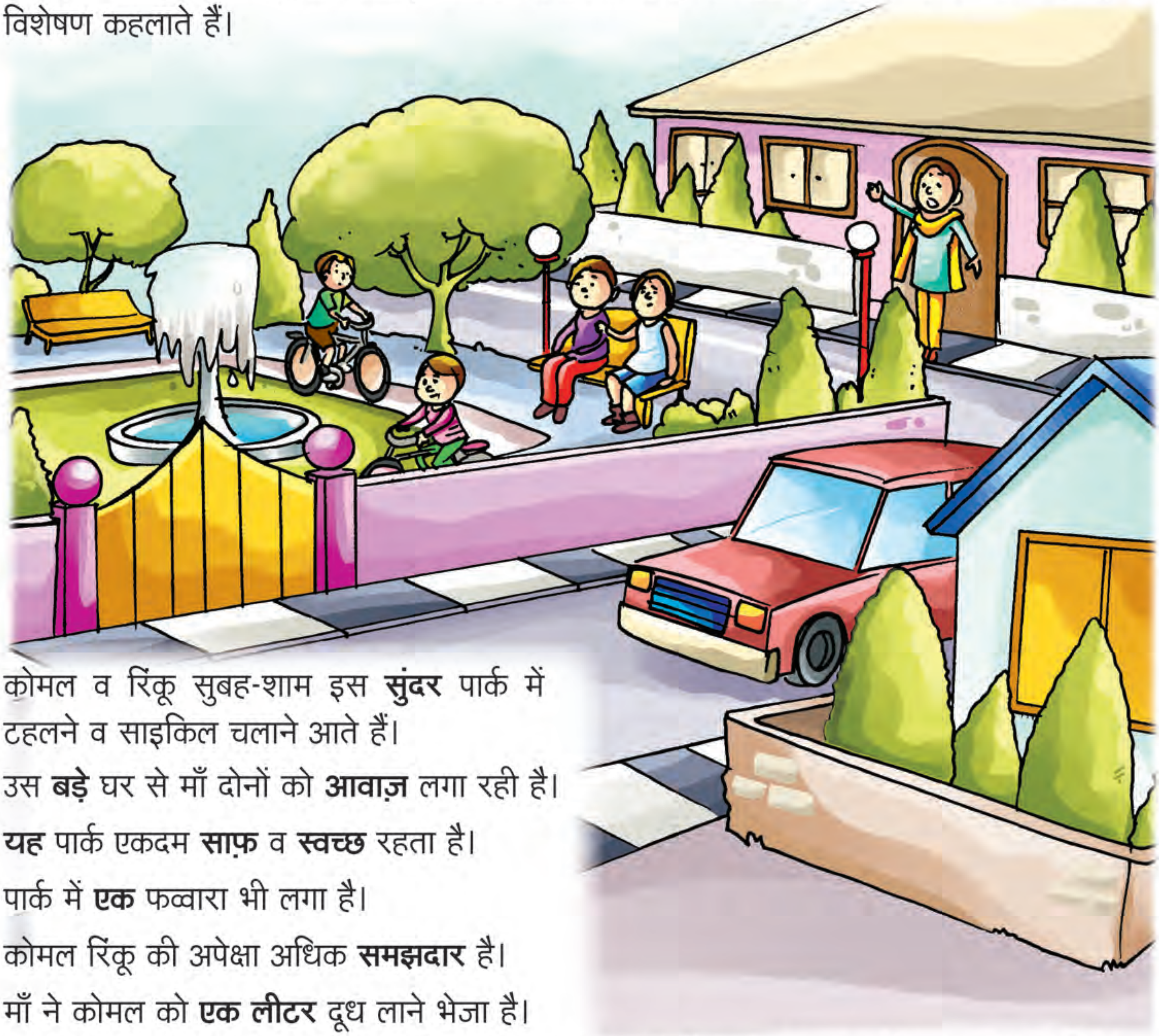

कोमल व रिंकू सुबह-शाम इस **सुंदर** पार्क में टहलने व साइकिल चलाने आते हैं।

उस **बड़े** घर से माँ दोनों को **आवाज़** लगा रही है।

यह पार्क एकदम **साफ़** व **स्वच्छ** रहता है।

पार्क में **एक** फव्वारा भी लगा है।

कोमल रिंकू की अपेक्षा अधिक **समझदार** है।

माँ ने कोमल को **एक लीटर** दूध लाने भेजा है।

उपर्युक्त वाक्यों में सभी रंगीन शब्द विशेषण हैं, जो वाक्यों में आए संज्ञा व सर्वनाम शब्दों की विशेषता प्रकट कर रहे हैं।

विशेषण जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, वे **विशेष्य** कहलाते हैं।

विशेषण के भेद

विशेषण के मुख्य रूप से चार भेद होते हैं-

विशेषण

- गुणवाचक विशेषण
- संख्यावाचक विशेषण
- परिमाणवाचक विशेषण
- सार्वनामिक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण

जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम के गुण-दोष, रंग-रूप, आकार-अवस्था आदि का पता चलता है, उन्हें **गुणवाचक विशेषण** कहते हैं; जैसे– ऊँचा, लंबा, ठिगना, मोटा, मीठा, खट्टा, अमीर, गरीब, वीर, कायर, परिश्रमी, आलसी आदि ये सभी शब्द गुणवाचक विशेषण हैं।

*शिखर **परिश्रमी** बालक है।*

*यह सेब **मीठा** है।*

2. संख्यावाचक विशेषण

संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की संख्या बताने वाले शब्द, **संख्यावाचक विशेषण** कहलाते हैं; जैसे–

***तीन** बंदर पेड़ पर बैठे हैं।*

***दो** लड़के पतंग उड़ा रहे हैं।*

3. परिमाणवाचक विशेषण

जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की माप-तौल का पता चलता है, उन्हें **परिमाणवाचक विशेषण** कहते हैं; जैसे–

एक लीटर *तेल देना।*

चार मीटर *लट्ठा कितने रुपये का है?*

4. सार्वनामिक विशेषण

जब सर्वनाम शब्द का प्रयोग संज्ञा की विशेषता बताने के लिए या उस ओर संकेत करने के लिए किया जाता है, तो उसे **सार्वनामिक विशेषण** कहते हैं; जैसे–

वह युवक *मेरा मित्र है।*

यह टहनी नीम *की है।*

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्द कहलाते हैं–

विशेषण	☐	विशेष्य	☐
प्रविशेषण	☐	कोई नहीं	☐

(ख) विशेषण जिन शब्दों की विशेषता बताते हैं, वे कहलाते हैं–

विशेषण	☐	सर्वनाम	☐
प्रविशेषण	☐	विशेष्य	☐

(ग) 'वह एक मेधावी छात्र है।' इस वाक्य में विशेषण है–

वह	☐	मेधावी	☐
छात्र	☐	कोई नहीं	☐

(घ) 'राधिका चौथी कक्षा में पढ़ती है।' इस वाक्य में कौन-सा विशेषण है?

गुणवाचक	☐	संख्यावाचक	☐
संबंधवाचक	☐	परिमाणवाचक	☐

2. संज्ञा को उचित विशेषण से मिलाइए–

संज्ञा	**विशेषण**
युवती	तिरंगा
संगीत	आकर्षक
सूचना	घना
जंगल	मधुर
झंडा	शुभ

3. विशेषणों के सामने उचित संज्ञा शब्द लिखिए–

महान	____________	कटु	____________
जंगली	____________	ऊँचा	____________
अनेक	____________	दिव्य	____________
तेज़	____________	सुंदर	____________
धीमा	____________	क्रूर	____________

4. निम्नलिखित को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए–

(क) गुणवाचक विशेषण

____

(ख) परिमाणवाचक विशेषण

क्रियात्मक कौशल

- अपनी कक्षा की किन्हीं पाँच वस्तुओं के नाम और उनकी विशेषताओं के बारे में लिखिए; जैसे–

(क) हमारी कक्षा में काला बोर्ड है।

(ख)

(ग)

(घ)

(ङ)

(च)

- दिए गए चित्रों के लिए दो-दो विशेषण लिखिए–

10 क्रिया
(Verb)

जिस शब्द से किसी काम का करना या होना प्रकट हो, उसे **क्रिया** कहते हैं।

कोई भी वाक्य क्रिया के बिना पूरा नहीं होता। अतः किसी भी वाक्य को पूरा करने के लिए क्रिया की आवश्यकता होती है।

कुछ क्रिया शब्द इस प्रकार हैं– पढ़ना, लिखना, चलना, कूदना, गाना, बैठना, भागना, खाना, पीना, उड़ना, सोना, जागना आदि।

क्रिया के ज्ञान के लिए सर्वप्रथम क्रिया के कालों का ज्ञान होना परमावश्यक है।

क्रिया के काल

1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल

1. भूतकाल– भूतकाल हमें बताता है कि काम बीते हुए समय में हो चुका या किया जा चुका है।

2. वर्तमान काल– वर्तमान काल हमें बताता है कि काम इस समय हो रहा है या किया जा रहा है।

3. भविष्यत् काल– भविष्यत् काल हमें बताता है कि काम आने वाले समय में होगा या आने वाले समय में किया जाएगा।

कुछ क्रिया शब्द पढ़िए-

भूतकाल	**वर्तमान काल**	**भविष्यत् काल**
था	है	होगा
हो गया	हो रहा है	रहेगा
हो चुका	करता है	करेगा

आइए, कुछ अन्य उदाहरण पढ़ें–

भूतकाल

- हम सब दो वर्ष पूर्व आगरा गए थे।
- वर्षा हो चुकी।
- तुम्हारा काम हो गया।
- तुम क्या कर रहे थे?

अर्थात् कार्य समाप्त हो गया।

वर्तमान काल

- तुम क्या कर रहे हो?
- वह पाठ पढ़ता है।
- पक्षी उड़ रहे हैं।
- ऐसे बातें मत करो।

अर्थात् कार्य चल रहा है, क्रिया हो रही है।

भविष्यत् काल

- तुम बड़े होकर क्या करोगे?
- मैं डॉक्टर बनूँगी।
- हम ज़ल्दी ही पाठशाला पहुँच जाएँगे।
- अब हम सो जाएँगे।

अर्थात् क्रिया आने वाले समय में होगी।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) वह शब्द जिससे किसी कार्य के करने अथवा होने का बोध हो, उसे कहते हैं–

कर्म ☐ क्रिया ☐
क्रियाविशेषण ☐ कोई नहीं ☐

(ख) चल रहा समय कहलाता है–

भूतकाल ☐ बुरा काल ☐
भविष्यत् काल ☐ वर्तमान काल ☐

(ग) 'मनोज खाना खाता है।' इस वाक्य में क्रिया–

हो चुकी ☐ हो रही है ☐
होने वाली है ☐ क्रिया नहीं है ☐

2. दिए गए वाक्यों में से क्रियाएँ छाँटकर सामने लिखिए–

(क) वह बड़ा शरारती है। ____________________

(ख) बच्चा रो रहा है। ____________________

(ग) मज़दूर मकान बना रहा है। ____________________

(घ) मैंने पुस्तक पढ़ी थी। ____________________

3. वाक्यों में उचित क्रिया शब्द लिखिए–

(क) नेहरू जी देश के प्रधानमंत्री ____________________। (हैं/थे)

(ख) राजा ने हुक्म ____________________। (दिया/दिलवाया)

(ग) शाहजहाँ ने ताजमहल ____________________। (बनाया/बनवाया)

(घ) मैंने कंगन में हीरे ____________________। (जड़े/जड़वाए)

4. प्रश्नोत्तर–

(क) क्रिया किसे कहते हैं?

____

____

(ख) कालों के तीनों रूपों को स्पष्ट कीजिए।

____

____

क्रियात्मक कौशल

- **क्रिया का उचित रूप लिखकर वाक्यों को पूरा कीजिए–**

(क) माँ ने बच्चों को रोटी ______________। (खिलाना)

(ख) चोर समान चुराकर ______________। (भागना)

(ग) चिड़िया आसमान में ______________ गई। (उड़ना)

(घ) मंदिर में सबको प्रसाद ______________ गया। (बाँटना)

- **चित्रों को देखकर उनमें होने वाली क्रिया को वाक्य में लिखिए–**

____

____

____

____

____

____

____

____

11 शब्द–भंडार
(Vocabulary)

(i) तत्सम–तद्भव

संस्कृत के वे शब्द, जो हिंदी में ज्यों-के-त्यों प्रयुक्त होते हैं, **तत्सम शब्द** कहलाते हैं। संस्कृत के वे शब्द, जो अपने बदले हुए स्वरूप में हिंदी में प्रयुक्त किए जाते हैं, **तद्भव शब्द** कहलाते हैं।
आइए, कुछ ऐसे शब्द पढ़ें, जिनका हम दैनिक जीवन में बहुत प्रयोग करते हैं–

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
उलूक	उल्लू	गौ	गाय	आम्र	आम
कपोत	कबूतर	सर्प	साँप	छत्र	छतरी
काक	कौआ	माता	माँ	स्वर्ण	सोना
कोकिल	कोयल	भ्रातृ	भाई	नृत्य	नाच
मयूर	मोर	पितृ	पिता	अग्नि	आग
वानर	बंदर	भगिनी	बहन	कर्ण	कान
कदली	केला	दुग्ध	दूध	चणक	चना
घृत	घी	क्षीर	खीर	दधि	दही
शाक	सब्जी	अक्षि	आँख	वृक्ष	पेड़

(ii) वाक्यांशों के लिए एक शब्द

दीनू पौधे सींचता है।
दीनू **माली** *है।*

नेहा हमेशा हँसती रहती है।
नेहा बहुत **हँसमुख** *है।*

ऊपर लिखे वाक्यों में रंगीन शब्द अनेक शब्दों (वाक्यांश) के स्थान पर प्रयुक्त हुए हैं। इनसे वाक्य सुंदर व सरल बन जाता है।

ऐसे शब्द जो वाक्यांशों के बदले प्रयोग किए जा सकते हैं, वे वाक्यांशों के लिए एक शब्द नाम से जाने जाते हैं।

यहाँ कुछ ऐसे ही वाक्यांश और उनके लिए एक शब्द दिए गए हैं, इन्हें पढ़कर समझिए और याद कीजिए–

वाक्यांश		**एक शब्द**
जो खेती करता हो	–	किसान
जो डरता हो	–	डरपोक
जिसमें समझ न हो	–	नासमझ
जो कभी न मरे	–	अमर
जिसके पास बल हो	–	बलवान
जो मिठाई बेचता हो	–	हलवाई
जो गाना गाता हो	–	गायक
जो काम से जी चुराए	–	कामचोर
जिसका भाग्य बहुत अच्छा हो	–	भाग्यवान
जो दुकान चलाता है	–	दुकानदार
सदा सत्य बोलने वाला	–	सत्यवादी
आज्ञा का पालन करने वाला	–	आज्ञाकारी
दूसरों की भलाई करने वाला	–	परोपकारी
कविता लिखने वाला	–	कवि
जिसके हृदय में दया हो	–	दयालु
जो परिश्रम करता हो	–	परिश्रमी
जिसे देखकर डर लगे	–	डरावना
छात्रों को पढ़ाने वाला	–	शिक्षक
बहुत बोलने वाला	–	वाचाल
नीचे लिखा हुआ	–	निम्नलिखित
जो सरल हो	–	सुगम
मूर्ति बनाने वाला	–	मूर्तिकार
थोड़ा बोलने वाला	–	अल्पभाषी
जल में रहने वाला	–	जलचर

जहाँ पढ़ने जाते हैं – पाठशाला

जिसके माता-पिता न हों – अनाथ

जहाँ बंदियों को रखा जाता है – कारावास

(iii) पर्यायवाची शब्द

एक जैसे अर्थ का बोध कराने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे–

घर - *भवन, निकेतन, गृह*

आग - *अग्नि, पावक, ज्वाला*

कमल - *जलज, पंकज, नीरज*

आँख - *नयन, चक्षु, लोचन*

ऊपर प्रत्येक चित्र के नीचे लिखे सभी शब्द समान अर्थ रखते हैं।

समान अर्थ रखने वाले ऐसे शब्द समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

दिए गए इन पर्यायवाची शब्दों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और समझिए–

शब्द		**पर्यायवाची**
माता	–	माँ, जननी, अंबा, अंबिका
मनुष्य	–	नर, आदमी, इंसान, मानव
वृक्ष	–	पेड़, विटप, तरु, पादप
रात	–	रात्रि, रजनी, निशा
प्रकाश	–	ज्योति, उजाला, रोशनी
मित्र	–	दोस्त, सखा, साथी
बाग	–	बगीचा, उपवन, फुलवारी
ईश्वर	–	प्रभु, हरि, भगवान, ईश
दिन	–	दिवस, वार, दिवा

देह	–	तन, शरीर, काया, बदन
साँप	–	सर्प, भुजंग, नाग
कपड़ा	–	वस्त्र, चीर, अंबर, परिधान
दुःख	–	कष्ट, पीड़ा, क्लेश
जल	–	पानी, नीर, तोय
प्रेम	–	प्यार, अनुराग, प्रीति
पुत्र	–	बेटा, वत्स, सुत, आत्मज
पुत्री	–	तनुजा, बेटी, सुता
हवा	–	पवन, समीर, अनिल, वायु
नारी	–	महिला, स्त्री, अबला
पक्षी	–	खग, पंछी, विहग
हाथी	–	हस्ती, गज, मातंग, दंती
आकाश	–	गगन, अंबर, नभ, आसमान
बादल	–	जलधर, नीरद, घन, मेघ
संसार	–	दुनिया, जगत, जग, विश्व
तालाब	–	सरोवर, पोखर, सर
धरती	–	भू, भूमि, धरा, पृथ्वी
चंद्रमा	–	चाँद, चंद्र, इंदु, राकेश
पर्वत	–	पहाड़, शैल, नग, गिरि
राजा	–	नृप, बादशाह, नरेश, महाराजा
ब्राह्मण	–	पंडित, भूदेव, विप्र, भूसुर
सूर्य	–	दिवाकर, दिनकर, सूरज
समुद्र	–	सिंधु, जलधि, पयोधि, सागर
नदी	–	सरिता, तटिनी, सलिला, निर्झरी
फूल	–	सुमन, पुष्प, कुसुम
प्रातः	–	सुबह, प्रभात, सवेरा
मृत्यु	–	मौत, मरण, निधन, देहांत

सिंह – हरि, केसरी, मृगराज, वनराज

गुरु – अध्यापक, शिक्षक, आचार्य

घोड़ा – घोटक, अश्व, तुरंग

(iv) विलोम शब्द

जो शब्द एक-दूसरे से उलटा अर्थ रखते हैं, उन्हें **विलोम** या **विपरीतार्थक शब्द** कहते हैं। जैसे–

रात

दिन

दानी

कंजूस

चित्रों के नीचे लिखे रात-दिन, दानी-कंजूस एक-दूसरे का उल्टा अर्थ दे रहे हैं। अतः ये विलोम शब्द हैं।

दिए गए विलोम शब्दों को पढ़िए और याद कीजिए–

शब्द		विलोम
जीवन	×	मृत्यु
सुंदर	×	कुरूप
मंगल	×	अमंगल
पूरा	×	अधूरा
वीर	×	कायर
शांत	×	अशांत

शब्द		विलोम
आदर	×	निरादर
सभ्य	×	असभ्य
आशा	×	निराशा
आगे	×	पीछे
दुःख	×	सुख
घर	×	बाहर

शब्द		विलोम
शुभ	×	अशुभ
सुर	×	असुर
हित	×	अहित
चल	×	अचल
परिश्रमी	×	आलसी
पूरब	×	पश्चिम
देश	×	विदेश
लाभ	×	हानि
उत्थान	×	पतन
हिंसा	×	अहिंसा
नया	×	पुराना
बुराई	×	भलाई
कच्चा	×	पक्का
उत्तर	×	दक्षिण
कोमल	×	कठोर
बाहर	×	भीतर
स्थिर	×	अस्थिर
कठिन	×	सरल
सच	×	झूठ

शब्द		विलोम
गुण	×	दोष
हल्का	×	भारी
हार	×	जीत
ज्ञान	×	अज्ञान
मोटा	×	पतला
स्वर्ग	×	नरक
जीना	×	मरना
अंधकार	×	प्रकाश
आय	×	व्यय
अमृत	×	विष
अमीर	×	गरीब
पतझड़	×	बहार
एक	×	अनेक
जल	×	थल
आशा	×	निराशा
समीप	×	दूर
मूर्ख	×	विद्वान
उचित	×	अनुचित
प्रशंसा	×	निंदा

(v) श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

"ऐसे शब्द जो ध्वनि में समान परंतु भिन्न अर्थ वाले होते हैं, श्रुतिसम **भिन्नार्थक शब्द** कहलाते हैं।"

जैसे - कुल – जोड़/जमा   कूल – किनारा

नीचे ऐसे ही भिन्न अर्थ रखने वाले कुछ शब्द व वाक्य दिए गए हैं, इन्हें ध्यानपूर्वक समझिए–

आपने देखा, कान्हा जल्दबाजी में शब्दों का उच्चारण सही नहीं करता, जिससे बात पूरी तरह समझ में नहीं आती।

नीचे लिखे शब्दों को जोर-जोर से पढ़िए और अंतर समझिए–

कंकाल	- हड्डियों का ढाँचा	- बीमारी के कारण रोगी का शरीर कंकाल बन गया।
कंगाल	- निर्धन	- मेरे पास पैसे नहीं हैं, मैं कंगाल हो गया।
कुल	- जमा	- मेरे पास कहानियों की कुल पाँच पुस्तकें हैं।
कूल	- किनारा	- नदी के कूल पर बैठा ग्वाला बंसी बजा रहा है।
खोआ	- मावा	- यहाँ स्वादिष्ट खोआ बिकता है।
खोया	- खो जाना	- चलो, तुम्हारा खोया पेन ढूँढ़ें।
गदा	- हनुमान की गदा	- हनुमान जी के हाथ में गदा है।
गधा	- जानवर	- गधा बोझा ढोने के काम आता है।
जूठा	- बचा/छोड़ा हुआ भोजन	- जितना चाहिए, उतना ही लो। भोजन जूठा मत छोड़ो।
झूठा	- जो सच्चा न हो	- झूठे बच्चे से कोई मित्रता नहीं करता।
पूछ	- पूछना/जानना	- उससे तुम ही पूछ लेना।
पूँछ	- दुम	- गिलहरी की पूँछ जाल में फँस गई।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) 'अनुनय' का अर्थ है–

अंजन ☐ प्रार्थना ☐

काजल ☐ कोई नहीं ☐

(ख) 'पुनीत' का अर्थ है–

पवित्र ☐ पावन ☐

दोनों ☐ कोई नहीं ☐

(ग) 'अंबर' के दो अर्थ हैं–

वस्त्र, आकाश ☐ अंक, संख्या ☐

दोनों ☐ कोई नहीं ☐

(घ) 'भव' का सही पर्याय है–

संसार, शिव ☐ अनंग, मनोज ☐

दोनों ☐ कोई नहीं ☐

2. चित्र देखिए और चित्रों के नाम तत्सम शब्दों में लिखिए–

________ ________ ________ ________

3. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए–

गो - ________ मयूर - ________

भ्रातृ - ________ काक - ________

वानर - ________ शाक - ________

क्षीर - ________ दधि - ________

नृत्य - ________ अक्षि - ________

4. रंगीन छपे वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखिए–

(क) शर्मिला **काम से जी चुराती** है।

____

(ख) नीलेश **बहुत परिश्रम करता** है।

____

(ग) शशि के **भाई मूर्ति बनाते** हैं।

____

(घ) यह काम **बहुत सरल** है।

____

5. वाक्यांशों को उनके उचित एक शब्द से मिलाइए–

वाक्यांश	एक शब्द
कविता लिखने वाला	जलचर
जल में रहने वाला	कवि
नीचे लिखा हुआ	सहपाठी
साथ पढ़ने वाला	निम्नलिखित

6. निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए–

शब्द-समूह के लिए एक शब्द से क्या तात्पर्य है?

____

____

7. निम्नलिखित समानार्थक शब्दों को आपस में मिलाइए–

प्रेम	सुत
प्रातः	सलिला
आकाश	अंबर
पुत्र	प्रीति
नदी	सुबह

8. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

पानी __________ __________ __________

नारी __________ __________ __________

वृक्ष __________ __________ __________

ईश्वर __________ __________ __________

9. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

उत्तर	× __________	सुर	× __________
आशा	× __________	अंधकार	× __________
कठिन	× __________	अमृत	× __________
शांति	× __________	पतझड़	× __________

10. रंगीन छपे शब्दों के विलोम शब्द खाली स्थान में लिखकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

(क) **साहसी** को विजय मिलती है और __________ को पराजय।

(ख) **सुख** में तो सभी मित्र बन जाते हैं, पर जो __________ में काम आए वही सच्चा मित्र है।

(ग) **युद्ध** से विनाश होता है और __________ से विकास।

11. कोष्ठक में लिखे शब्द पढ़िए और वाक्यों में उनका प्रयोग कीजिए–

(क) आज चाचा जी के घर __________ प्रवेश का उत्सव है। (ग्रह/गृह)

(ख) माँ ने सबको एक __________ कार्य दिया। (सामान/समान)

(ग) __________ निकलो देखो, ठंडी हवा चल रही है। (बाहर/बहार)

(घ) चिड़िया अपने __________ से निकली और फुर्र से उड़ गई। (नीर/नीड़)

(ङ) दो __________ बाद हमारी परीक्षा हैं। (दिन/दीन)

क्रियात्मक कौशल

- **अपने परिवार के सभी सदस्यों/प्रमुख रिश्तेदारों के नामों की सूची बनाइए। इन नामों के अर्थ, पर्यायवाची तथा विलोम लिखने का प्रयास कीजिए।**

12 विराम-चिह्न
(Punctuation Marks)

विराम का अर्थ है– रुकना

बच्चो! बोलते समय हम अपनी आवाज के उतार-चढ़ाव से और जगह-जगह रुककर अपनी बात को सरलता से दूसरों को समझा देते हैं किंतु लिखते समय हमें कुछ ऐसे चिह्नों की ज़रूरत होती है, जिन्हें लगाकर हम अपनी बात को पूरा करते हैं और उनका सही अर्थ लगा पाते हैं।

जैसे यह वाक्य पढ़िए- **खेलो मत पढ़ो।**

अब हमें यह नहीं पता कि यहाँ खेलने के लिए कहा जा रहा है या पढ़ने के लिए।

अब देखिए- **खेलो, मत पढ़ो।** यहाँ खेलने के लिए कहा जा रहा है।

खेलो मत, पढ़ो। अर्थात् यहाँ पढ़ने के लिए कहा जा रहा है।

हिंदी में प्रयोग किये जाने वाले प्रमुख-चिह्न निम्न प्रकार से हैं–

1. पूर्णविराम (।)

पूर्णविराम का चिह्न (।) है। इसे वाक्य की समाप्ति पर लगाया जाता है; जैसे–

(क) सुबह उठकर पढ़ो।

(ख) हमें समय पर पढ़ाई करनी चाहिए।

2. अल्पविराम (,)

अल्पविराम का अर्थ है, थोड़ी देर रुकना। इसका प्रयोग समझिए-

(क) मैं, तुम और कान्हा खेलने के लिए पार्क में जाएँगे।

(ख) बगीचे में पीले, लाल, नीले फूल लगे हैं।

3. प्रश्नवाचक-चिह्न (?)

यह चिह्न प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किया जाता है और वाक्य की समाप्ति पर लगाया जाता है; जैसे

(क) क्या तुमने खाना खा लिया?

(ख) तुम खेलने कब जाओगे?

4. विस्मयादिबोधक-चिह्न (!)

दुःख, आश्चर्य और खुशी आदि भावों को प्रकट करने या व्यक्त करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे-

(क) वाह! तुमने तो कमाल कर दिया। (खुशी का भाव)

(ख) अरे! बहुत सुंदर लेख है तुम्हारा। (आश्चर्य का भाव)

(ग) ओह! तुम गिर गए। (दुःख का भाव)

5. विवरण चिह्न (–)

इस चिह्न का प्रयोग अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए तथा उदाहरण देने में किया जाता है; जैसे–

(क) मुझे कुछ सामान जैसे– पेंसिल, पैमाना, रबर, स्टेपलर आदि चाहिए।

(ख) काल तीन प्रकार के होते हैं यथा– भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्यत् काल।

6. योजक (-)

इस चिह्न का प्रयोग शब्दों को परस्पर जोड़ने में किया जाता है; जैसे– आना-जाना; खाना-पीना; मान-अपमान; अभी-अभी आदि।

7. कोष्ठक (())

इस चिह्न का प्रयोग समानार्थी शब्दों को स्पष्ट करने के लिए; अंकों अथवा अक्षरों को क्रम में दर्शाने के लिए व वाक्य के भीतर के किसी शब्द को स्पष्ट करने के लिए जाता है; जैसे–

(क) राम; भरत और लक्ष्मण के अग्रज (बड़े भाई) थे।

(ख) प्रश्न संख्या (1), (2), (3), को हल करो।

(ग) जन-गण-मन (राष्ट्रगान) को गाने की अवधि 52 सेकंड है।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) विराम का शाब्दिक अर्थ क्या है?

जाना ☐ रुकना ☐

अभिव्यक्ति ☐ भाव ☐

(ख) निम्नलिखित चिह्नों में अल्प विराम का चिह्न बताइए–

(:) ☐ (!) ☐

(;) ☐ (,) ☐

(ग) (!) इस चिह्न का नाम है–

योजक ☐ विस्मयादिबोधक ☐

अल्पविराम ☐ सभी ☐

(घ) (।) चिह्न कहलाता है–

पूर्णविराम ☐ अल्पविराम ☐

विस्मयादिबोधक चिह्न ☐ प्रश्नवाचक चिह्न ☐

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित जगह पर विराम-चिह्न (।/ , /?/ !) लगाइए–

(क) क्या तुम राजमा–चावल खाओगे

(ख) अरे तुमने यह क्या किया

(ग) वाह आज तो तुम्हें पूरे अंक मिले हैं

(घ) हमारे देश का नाम भारत है

(ङ) मेरे पास हरी पीली नीली और गुलाबी पतंगें हैं

क्रियात्मक कौशल

- **निम्नलिखित अनुच्छेद में विराम-चिह्नों का प्रयोग गलत स्थान पर किया गया है। तुम उन चिह्नों को सही स्थान पर लगाकर अनुच्छेद को पुनः लिखिए–**

महात्मा बुद्ध जनता में बड़ी आसान भाषा, में बोलते थे जिसे सब लोग। समझ लेते थे नीची जाति वाले लोगों को यह कभी महसूस नहीं होता था कि उनकी कोई पूछ नहीं। है महात्मा बुद्ध ने जो नया तरीका, अपनाया उससे सबमें समानता की भावना। आई उनमें, कोई ऊँचा-नीचा नहीं है

13 मुहावरे (Idioms)

जब कोई वाक्यांश या शब्द-समूह अपना सामान्य अर्थ न देकर एक विशेष अर्थ देता है तो उसे **मुहावरा** कहते हैं; जैसे–

'श्रीगणेश करना'– यह वाक्यांश एक विशेष अर्थ रखता है जिसका अर्थ है– शुरू करना।

आगे दिए गए मुहावरों और उनके वाक्य में प्रयोगों को पढ़िए और समझिए–

आँखों का तारा – बहुत प्यारा

शलभ अपने गुणों के कारण हम सबकी आँखों का तारा है।

श्रीगणेश करना – आरंभ करना

हमने मकान बनवाने के काम का श्रीगणेश कल ही कर दिया है।

अक्ल पर पत्थर पड़ना – बुद्धि काम न करना

तुम्हारी अक्ल पर क्या पत्थर पड़ गए थे जो तुमने नरेश जैसे जुआरी का साथ चुना।

आग–बबूला होना – बहुत गुस्सा होना

आवश्यक कागजात गुम हो जाने पर कलेक्टर साहब आग-बबूला हो गए।

अंग–अंग ढीला होना – बहुत थक जाना

वैष्णों देवी की चढ़ाई चढ़ने के बाद यात्रियों का अंग–अंग ढीला पड़ गया था।

अक्ल का दुश्मन – मूर्ख

परीक्षाओं के दिनों में वह फिल्म देखने गया है। सचमुच मनजीत अक्ल का दुश्मन है।

आँख लगना – नींद आना

हवा का झोंका आते ही मेरी आँख लग गई।

फूला न समाना – बहुत खुश होना

बेटी के प्रथम आने पर शीला मौसी फूली न समाई।

रफूचक्कर होना – भाग जाना

यात्रियों का सामान चुराकर चोर रफूचक्कर हो गया।

कान खा जाना – बहुत बोलना

अन्नू बोल-बोलकर मेरे कान खा जाती है।

हाथ खाली होना – धन का अभाव

बेटी के विवाह के वक्त अगर हाथ खाली हों तो कितनी चिंता होती है।

जी चुराना – परिश्रम से बचना

काम से जी मत चुराओ वरना कभी आगे नहीं बढ़ोगे।

तारे गिनना – चिंता के कारण नींद न आना

कर्ज कैसे चुकेगा? इसी सोच में लखीराम रात भर तारे गिनता रहा।

उल्लू बनाना – मूर्ख बनाना

धन दुगना करने के लालच में फँसाकर कई दुष्ट लोगों को उल्लू बनाते हैं।

अँगूठा दिखाना – साफ मना करना

कठिनाई में अँगूठा दिखा देना स्वार्थी साथियों के लिए कोई नई बात नहीं होती।

होश उड़ना – घबराना

जेवरों का डिब्बा अलमारी में न पाकर रेखा के होश उड़ गए।

छक्के छुड़ाना – हरा देना

दुष्टों के छक्के छुड़ा देने वाला वीर अभिमन्यु छल से मारा गया।

टाँग अड़ाना – रुकावट डालना

बनते कामों में टाँग अड़ाना मीनाक्षी की पुरानी आदत है।

पेट में चूहे कूदना – बहुत भूख लगना

छुट्टी की घंटी बजते ही सब भागकर कैंटीन पहुँचे क्योंकि सबके पेट में चूहे कूद रहे थे।

अंधे की लाठी – एकमात्र सहारा

हम सब अपने माता-पिता की अंधे की लाठी हैं।

अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना – अपनी तारीफ़ स्वयं करना

और तो उसकी तारीफ़ करते नहीं, वह खुद ही अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बना हुआ है।

अगर-मगर करना – बहाने बनाना

मेहनत से पढ़ो; अगर-मगर मत करो।

किताबी कीड़ा होना – खूब पढ़ना/केवल पढ़ते ही रहना

दादा जी चाहते हैं कि हम भाई-बहन किताबी कीड़ा न बनें।

घी के दीये जलाना – खूब खुशी मनाना

नानी के पास जाने की बात सुनकर मेरा मन घी के दीये जलाने के लिए मचलने लगा।

हवा से बातें करना – तेज चलना

अरे! हवा से बातें करते कहाँ चले जा रहे हो?

दाँत खट्टे करना – बुरी तरह हरा देना

शतरंज के खेल में मैं बड़े-बड़ों के दाँत खट्टे कर देता हूँ।

दाँतों तले उँगली दबाना – हैरान रह जाना

माँ! मैं बड़ा होकर इतने बड़े-बड़े काम करूँगा कि आप दाँतों तले उँगली दबा लेंगी।

दिन-रात एक करना - खूब परिश्रम करना

इमारत, सुंदर, ज़ल्दी और मज़बूत बने इसलिए मज़दूरों ने दिन-रात एक कर दिए हैं।

नाक में दम करना – परेशान कर देना

यह कैसा बच्चा है? इसने रो-रोकर नाक में दम कर दिया है।

नौ-दो ग्यारह होना – डरकर भाग जाना

पुलिस को देखकर चोर नौ-दो ग्यारह हो गया।

आँखें फेर लेना – बदल जाना

सुखदेव को आज उधार लेने की ज़रूरत पड़ी तो रिश्तेदारों ने भी आँखें फेर लीं।

चकमा देना – धोखा देना

चाचा जी को चकमा देना आसान नहीं है।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) 'नौ-दौ ग्यारह होना' मुहावरे का क्या अर्थ है?

- हैरान रह जाना ☐ डरकर भाग जाना ☐
- धोखा देना ☐ बदल जाना ☐

(ख) 'आँखों का तारा' मुहावरे का क्या अर्थ है?

- प्रेम होना ☐ आमंत्रण देना ☐
- बहुत प्यारा ☐ ये तीनों ☐

(ग) 'अंधे की लकड़ी' मुहावरे का क्या अर्थ है?

- बहुत प्रिय ☐ एकमात्र सहारा ☐
- बहुत जल्दी ☐ बहुत खिलाफ ☐

(घ) 'कान कुतरना' मुहावरे का क्या अर्थ है?

- बीमारी होना ☐ बेईमान होना ☐
- तैयार होना ☐ बहुत चतुर होना ☐

2. निम्नलिखित का अर्थ लिखकर इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) हाथ खाली होना–

____

(ख) जी चुराना-

____

(ग) चकमा देना-

____

(घ) आँखें फेर लेना-

____

क्रियात्मक कौशल

- चित्रों की सहायता से मुहावरों को पूरा कीजिए तथा इनके अर्थ भी लिखिए–

(क) अंधे की – ______________________

____

(ख) होना – ______________________

____

(ग) खट्टे करना – ______________________

____

14 पत्र-लेखन
(Letter-Writing)

भाषा के द्‌वारा विचारों को प्रकट किया जाता है। हम परिस्थितियों, संकोच या दूरी के कारण अपने विचारों को प्रकट करने के अप्रत्यक्ष माध्यम खोजते हैं। पत्र ऐसा करने का सबसे सरल और सुलभ साधन है। इसके माध्यम से अपने विचार या समाचार दूसरों तक पहुँचाए जा सकते हैं। मानव जीवन में पत्रों के महत्त्व को सदा से ही माना गया है।

पत्र कई रूपों में लिखे जाते हैं। पत्र लिखते समय ध्यान में रखना चाहिए–

- पत्र लिखने से पूर्व यह निश्चित होना चाहिए कि पत्र किसे लिखना है और उसमें क्या लिखना है।
- जिसे पत्र लिखा जा रहा है, उसके संबंध और पद के अनुसार शिष्टाचारपूर्ण शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।
- पत्र की भाषा सरल, सरस और प्रभावपूर्ण होनी चाहिए।
- पत्र में व्यर्थ की बातें अथवा अशिष्ट शब्द नहीं लिखने चाहिए।
- पत्र का आरंभ और अंत अच्छे ढंग से करना चाहिए।

पत्र का नमूना

① पता ____________
दिनांक ____________

② आदरणीय ____________ जी,

③ सादर प्रणाम।

④ मैं यहाँ कुशलपूर्वक ____________
____

⑤ शेष फिर।

⑥ आपकी प्रिय पुत्री

⑦ नाम

पत्र/ लिफाफे पर पत्र पाने वाले का पता

डाक टिकट

सेवा में,

श्री/श्रीमती/सुश्री पुष्पा दत्ता

बी- 115, पुष्पा सदन, गोल मार्किट,

नया बाजार, कोलकाता (प०बं०)

प्रेषक का नाम व पता

रंजना चौधरी

305, मानसरोवर

नई दिल्ली

जिला कोलकाता पिन 3 0 0 0 3 3

उपयुक्त संबोधन और अभिवादन

अपने संबंधियों, मित्रों, छोटों, बड़ों और बराबर वालों को किस प्रकार के संबोधन, अभिवादन तथा अंत के शब्द लिखे जाने चाहिए, इसके परिचय हेतु निम्नलिखित तालिका दी जा रही है–

जिसे पत्र लिखा जाना	संबोधन	अभिवादन	अंत में
गुरुजनों और बड़े-बुजुर्गों को	मान्यवर, पूज्य, पूजनीय, श्रद्धेय, माननीय	सादर चरण-स्पर्श, सादर प्रणाम	आपका आज्ञाकारी/आपकी आज्ञाकारिणी, कृपाकांक्षी, आपका विनीत
बराबर वालों को	प्रिय मित्र, प्रिय भाई, प्रिय बहन	नमस्ते, नमस्कार	तुम्हारा/तुम्हारी, तुम्हारा परम मित्र, तुम्हारी सखी
छोटों को	चिरंजीव	सप्रेम आशीर्वाद, प्रसन्न रहो, स्नेह	शुभेच्छु, शुभचिंतक, तुम्हारी हितैषी (स्त्रीलिंग में शुभेच्छुका/शुभचिंतिका, हितैषिणी)
परिचित जनों को	प्रिय, श्री/सुश्री/श्रीमती/नाम	नमस्कार, नमस्ते, वंदे	भवदीय/भवदीया
अपरिचित जनों को	प्रिय महोदय/प्रिय महाशय/प्रिय महोदया	नमस्कार, नमस्ते, वंदे	भवदीय/भवदीया

पत्र के प्रकार (Kinds of Letter)

पत्र प्रायः चार प्रकार के होते हैं–

1. व्यक्तिगत-पत्र 2. प्रार्थना-पत्र 3. व्यावसायिक-पत्र 4. सरकारी-पत्र

यहाँ पत्रों के कुछ नमूने दिए जा रहे हैं। इन्हें पढ़कर पत्र लिखने का अभ्यास कीजिए–

व्यक्तिगत-पत्र (Personal Letter)

माता जी को ऊनी कपड़े भेजने हेतु पत्र

छात्रावास : दर्शन एकेडमी
देहरादून
दिनांक : 5 अक्टूबर 20____

पूज्य माता जी,
सादर चरण-स्पर्श।

मैं यहाँ पर कुशलपूर्वक हूँ और आशा करता हूँ कि आप सब भी सकुशल होंगे। यहाँ मौसम में ठंडक बढ़ रही है। अतः आप मेरे ऊनी कपड़े अतिशीघ्र भिजवा दें। कृपया चिंता न करें, मुझे स्वास्थ्य का ख्याल है। पूज्य पिता जी को चरण-स्पर्श। आदर सहित,

आपका प्रिय पुत्र
कपिल

बहन को भविष्य की योजना बताते हुए पत्र

छात्रावास : टैगोर एकेडमी
मालती नगर, बनारस
दिनांक : ___________

प्रिय दीदी,
सादर नमस्ते।

आपका पत्र पाकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई। उत्तर देने में देर हुई, इसके लिए क्षमा चाहता हूँ। आपने पत्र में पूछा है कि मैं भविष्य में क्या बनना चाहता हूँ। दीदी मेरा लक्ष्य डॉक्टर बनना है। मैंने प्रारंभ से ही डॉक्टर बनने और लोगों की सेवा करने का स्वप्न देखा है। इसे पूर्ण करने के लिए मैं दिन-रात परिश्रम कर रहा हूँ।

शेष मिलने पर।

आपका स्नेहाकांक्षी
प्रवीण

जन्मदिन पर सहेली को निमंत्रण-पत्र

211-ई, तिलक नगर

माल रोड, शिमला

दिनांक : __________

प्रिय सहेली तृष्णा,

नमस्कार।

यहाँ सभी कुशलता से हैं। आशा है तुम भी कुशल होंगी। आगामी 15 दिसंबर को मेरा जन्मदिन मनाया जाएगा। उसका कार्यक्रम निम्न प्रकार से है–

केक काटने की रस्म	6 बजे सायं
संगीत भरी शाम	7 बजे सायं
प्रीतिभोज	9 बजे रात्रि

तुम इस कार्यक्रम में सप्रेम सपरिवार आमंत्रित हो। आशा है समय पर आकर उत्सव की शोभा बढ़ाओगी।

शेष मिलने पर।

तुम्हारी अभिन्न सहेली

ऋचा

प्रार्थना–पत्र (Application)

ज्वर आने पर अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र

सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाचार्य,

विनर्स पब्लिक स्कूल,

अंबाला।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि कल शाम को मैं बारिश में भीग गया था। उससे मुझे तीव्र ज्वर हो गया। डॉक्टर ने चार दिन आराम करने और दवाई लेने के लिए कहा है। इस कारण मैं विद्यालय आने में असमर्थ हूँ। कृपया मुझे दिनांक 11 फरवरी से 14 फरवरी तक, चार दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

शेखर शर्मा

कक्षा – 4 (क्रमांक – 30)

दिनांक : ________

प्रधानाध्यापक को बस के प्रबंध के लिए प्रार्थना-पत्र

सेवा में,

श्रीमान् प्रधानाचार्य,

करण पब्लिक स्कूल,

अजेमर।

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि मैंने आपके विद्यालय में कक्षा 4 में प्रवेश लिया है। मेरा घर सैनिक विहार में सैक्टर '5' में है जहाँ तक विद्यालय की बस नहीं आती है। अगर आप सैक्टर '3' तक आने वाली बस को सैक्टर '5' तक आने के लिए कह दें, तो मेरी समस्या हल हो जाएगी। आशा है, आप मेरी प्रार्थना पर ध्यान देंगे।

सधन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

संजीव सक्सेना

दिनांक : _______ कक्षा – 4 (क्रमांक – 28)

विषयनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखित विषयों पर पत्र लिखिए–

(क) अपनी दीदी को स्वास्थ्य का ध्यान रखने हेतु पत्र लिखिए।

(ख) निबंध-प्रतियोगिता में अपने मित्र द्वारा प्रथम स्थान पाने पर उसे बधाई-पत्र लिखिए।

(ग) आपने होली किस प्रकार मनाई, इसका विवरण देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

(घ) अपने प्रधानाध्यापक को रिक्शा के प्रबंध के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

(ङ) पिता जी की अनुपस्थिति में बीमार माँ की देखभाल करने हेतु विद्यालय से तीन दिन के अवकाश के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

(च) प्रधानाध्यापक को विद्यालय में शौचालय की समुचित सफाई-व्यवस्था हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए।

(छ) अपनी प्रधानाचार्या को विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र दिलवाने हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए। (कारण– आपके पिताजी का तबादला हो गया है।)

(ज) मध्यांतर के पश्चात् घर जाने की अनुमति के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

15 कहानी-लेखन
(Story-Writing)

कहानियाँ पढ़ना, सुनना तो आपको अवश्य पसंद होगा किंतु उन्हें लिखना भी कठिन नहीं है। दी गई इन कहानियों को पढ़िए और स्वयं भी कहानी लिखने का प्रयास कीजिए।

1. बड़ा कौन?

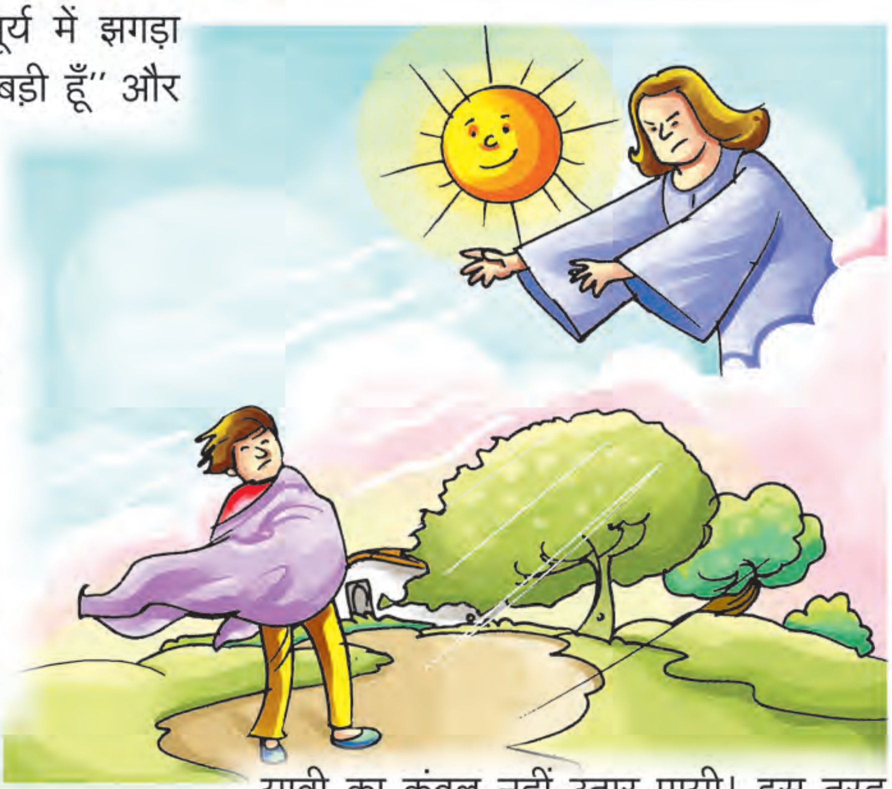

एक समय की बात है, पवन और सूर्य में झगड़ा हो गया। पवन ने कहा कि "मैं सबसे बड़ी हूँ" और दूसरी ओर सूर्य ने कहा– "मैं सबसे शक्तिशाली हूँ।" दोनों अपनी-अपनी शक्ति का बखान करते रहे। इसी बहस के दौरान उन्होंने एक शर्त रखी। एक पैदल जाते यात्री का कंबल उतरवाने की शर्त। पहले पवन की बारी आई। क्रोध से भरपूर पवन बहुत तेज़ी से चली। यात्री ने कंबल को और कसकर लपेट लिया। पवन ने अपनी शक्ति के अनुसार पूरा जोश दिखा दिया लेकिन यात्री का कंबल नहीं उतार पायी। इस तरह पवन की हार हो गई। अब सूर्य की बारी आई। ज्यों-ज्यों सूर्य की गर्मी बढ़ती गई यात्री कंबल उतारता गया। सूर्य की तपिश से अंत में उसने कंबल को पूरा ही उतार दिया। इस तरह सूर्य की जीत हुई। अपनी शक्ति के अनुसार सूर्य ने अपना बड़प्पन सिद्ध कर दिया।

शिक्षा– कभी घंमड नहीं करना चाहिए।

2. झगड़े का फल

एक जंगल में दो बिल्लियाँ रहती थीं। एक दिन उन्हें कहीं से रोटी का एक टुकड़ा मिला। वे उसे बराबर-बराबर बाँटकर खाना चाहती थीं, मगर बँटवारे पर उनका झगड़ा हो गया। तभी एक चालाक बंदर उधर आ पहुँचा। उसने देखा कि बिल्लियाँ रोटी के एक टुकड़े के बँटवारे को लेकर लड़ रही हैं। बंदर को भी भूख लगी थी। वह सोचने लगा कि रोटी का टुकड़ा कैसे खाया जाए। बंदर को एक उपाय सूझा। उसने बिल्लियों से कहा– ''तुम दोनों क्यों लड़ रही हो?'' बिल्लियों ने बताया कि वे रोटी के दो बराबर-बराबर टुकड़े करना चाहती हैं। झगड़ा इसी बात का है कि दोनों टुकड़ों को बराबर कैसे किया जाए?

बंदर बोला- ''अरे! बस इतनी-सी बात है? यदि तुम चाहो तो मैं रोटी के इस टुकड़े को दो बराबर हिस्सों में बाँट दूँ।'' बिल्लियाँ मान गईं।

बंदर एक तराजू ले आया। उसने रोटी के टुकड़े के दो भाग करके तराजू के दोनों पलड़ों में रखे, पर एक पलड़े में अधिक वजन हो गया। इस पर बंदर ने उसमें से थोड़ा-सा टुकड़ा तोड़ा और खा गया। अब दूसरा पलड़ा भारी हो गया। बंदर ने इस बार उसमें से थोड़ा-सा टुकड़ा तोड़ा और खा लिया। बार-बार ऐसा करने से बहुत कम रोटी ही बची।

बिल्लियों ने क्रोध में आकर कहा– "बंदर भाई! बस हो गया बँटवारा! हमारी रोटी हमें वापस कर दो। हम खुद ही बाँट लेंगे।" बंदर बोला– "यदि तुम्हें रोटी खुद ही बाँटनी थी तो फिर मुझसे इतनी मेहनत क्यों करवाई? जानतीं नहीं, मेरा कितना कीमती समय बेकार हुआ। उसका जुर्माना दो।" बंदर ने बची हुई रोटी भी मुँह में डालते हुए कहा, "यह टुकड़ा मेरी मेहनत के लिए है।" मूर्ख बिल्लियाँ बंदर का मुँह ताकती ही रह गईं।

शिक्षा– आपस के झगड़े में हमेशा हानि होती है और दूसरा लाभ उठाता है।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

इस कहानी से आपने क्या शिक्षा ली? दी गई शिक्षाओं में से सही शिक्षा के सामने सही का चिह्न (✓) लगाइए–

(क) हमें अपने विवाद स्वयं निबटाने चाहिए। ☐

(ख) आपस के झगड़े में हमेशा हानि होती है। ☐

(ग) किसी काम में ज़ल्दबाज़ी नहीं करनी चाहिए। ☐

(घ) अधिक धन से व्यक्ति की बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है। ☐

(ङ) गलती करके उस पर पछताना व्यर्थ है। ☐

क्रियात्मक कौशल

- **कोई छोटी-सी कहानी यहाँ लिखिए–**

____

____

____

____

____

____

____

____

16 निबंध-लेखन
(Eassy-Writing)

अपने विचारों को एक निश्चित बँधे हुए क्रम में प्रकट करना, **निबंध-लेखन** कहलाता है।

अच्छा निबंध लिखने के लिए इन बातों का विशेष ध्यान रखिए–

- निबंध की सभी बातें क्रम में हों।
- भाषा सरल हो।
- सभी बातें अलग-अलग अनुच्छेदों में लिखी हों किंतु इनमें से किसी भी बात को दोहराया न जाए।

1. स्वाधीनता दिवस

आज़ादी से बढ़कर मनुष्य को कुछ और प्यारा नहीं होता किंतु दुर्भाग्य से हमारे देश को अनेक वर्ष गुलाम रहना पड़ा। 15 अगस्त, सन् 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। यह दिन अनेक शहीदों के बलिदानों व क्रांतिकारियों के कठिन संघर्ष के फलस्वरूप प्राप्त हुआ।

प्रतिवर्ष इस दिन को हम 'स्वाधीनता दिवस' के रूप में मनाते हैं।

विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों में 'राष्ट्रीय ध्वज' फहराया जाता है। राष्ट्रीय गान होता है। दिल्ली के लालकिले से प्रधानमंत्री राष्ट्र के नाम संदेश देते हैं।

विद्यालयों में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं और सबको मिठाइयाँ व मेधावी विद्यार्थियों को इनाम बाँटे जाते हैं।

सारा देश इस दिन उमंग व खुशी में डूब जाता है। देश की प्रगति व सुरक्षा हम सबके परिश्रम व सावधानी पर निर्भर करती है, अतः हमें इस ओर विशेष ध्यान देना होगा।

2. शिक्षा का महत्त्व

शिक्षा मनुष्य का सच्चा श्रृंगार है। अनपढ़ मनुष्य न समाज के लिए उपयोगी बन पाता है और न परिवार के लिए। उसे कदम-कदम पर अनेक समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है।

जहाँ शिक्षा का जितना प्रचार-प्रसार होगा, वहाँ उतनी ही खुशहाली होगी। शिक्षा मनुष्य को उचित–अनुचित का विवेक प्रदान करती है। शिक्षा मनुष्य को उसके व्यक्तित्व के विकास का पूर्ण अवसर देती है जिससे व्यक्ति का ज्ञान निरंतर बढ़ता जाता है।

शिक्षा से आत्मविश्वास दृढ़ होता है और व्यक्ति स्वाभिमान से जी सकता है। शिक्षा के माध्यम से उसे रोज़गार के अनेक अवसर भी प्राप्त होते हैं।

खेद की बात है कि अभी भी हमारे देश में अनेक लोग शिक्षा से वंचित है जबकि सरकार की ओर से इस दिशा में काफी प्रयास किए गए हैं। कुछ लोग धन के लिए बच्चों को विद्यालय न भेजकर काम पर भेजते हैं, यह बच्चों के साथ अन्याय है।

सभी बच्चों को शिक्षा प्राप्ति के लिए विद्यालय जाना चाहिए तभी उनका भविष्य सुंदर व उज्ज्वल बन सकेगा।

3. व्यायाम

मनुष्य जीवन अमूल्य है। जीवन में सुख प्राप्त करने हेतु शरीर का स्वस्थ एवं नीरोगी होना आवश्यक है। इस संसार में सभी प्रकार के सुख अच्छे शरीर से ही भोगे जा सकते हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अनेक उपाय करने पड़ते हैं। व्यायाम का अर्थ है– कसरत करना। व्यायाम करने से शरीर के सभी अंग खुल जाते हैं तथा शरीर में रक्त-संचार भली-भाँति होता है।

व्यायाम कई प्रकार के होते हैं– प्रातः भ्रमण, दंड-बैठक करना, दौड़ना, विभिन्न प्रकार के खेल खेलना, योगासन करना, तैरना आदि। हमें ऐसे व्यायाम नहीं करने चाहिए, जिन्हें हमारा शरीर स्वीकार ही न करता हो। बड़ी आयु के व्यक्तियों को हल्के-फुल्के व्यायाम ही करने चाहिए। व्यायाम से शरीर लचीला बनता है जिससे स्फूर्ति बनी रहती है। आलस्य दूर करने के लिए व्यायाम उत्तम साधन है। इससे मनुष्य में कार्य करने की शक्ति बढ़ती है। व्यायाम से खूब भूख लगती है तथा खाया-पिया हज़म हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोग पास भी नहीं फटकते। अक्सर देखा गया है कि जो विद्यार्थी व्यायाम नहीं करते उनका शरीर बेडौल हो जाता है। उनकी आँखें कमज़ोर हो जाती हैं। ऐसे विद्यार्थी थोड़ा-सा परिश्रम करने से थक जाते हैं; उन्हें नींद अधिक आती है जिस कारण वे आलसी बन जाते हैं। इसका बुरा असर उनके अध्ययन पर भी पड़ता है। योगासन भी अच्छा व्यायाम है। योगासन शरीर को तो स्वस्थ रखते ही हैं; साथ ही मन को शांत एवं एकाग्र रखने में भी बहुत सहायता करते हैं।

व्यायाम सदा खुले एवं स्वच्छ स्थान पर करना चाहिए, जिससे फेफड़ों को भरपूर ऑक्सीजन मिले। शारीरिक क्षमता से बढ़कर व्यायाम करना उचित नहीं, इससे लाभ के स्थान पर हानि हो सकती है। सर्वोत्तम यह है कि बच्चों को व्यायाम की आदत बचपन से ही डाली जाए।

4. होली

होली रंगों का त्योहार है। यह त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। भारत में अनेक त्योहार उल्लासपूर्वक मनाए जाते हैं, किंतु राग-रंग और मस्ती का जो वातावरण होली पर देखने को मिलता है, वह अत्यंत दुर्लभ है। इस त्योहार को 'वसंत का यौवन' भी कहा जाता है। होली के साथ जुड़ी कथाओं में सबसे विख्यात कथा दानवराज हिरण्यकशिपु एवं उसके पुत्र प्रह्लाद की है। हिरण्यकशिपु एक घमंडी राजा था। उसने अपने राज्य में भगवान का नाम न लेने की आज्ञा दे रखी थी, परंतु उसी का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर-भक्त था। दैत्य हिरण्यकशिपु ने उसे मारने के लिए अनेक उपाय किए, परंतु ईश्वर

की कृपा से प्रह्लाद का बाल भी बाँका नहीं हुआ। हिरण्यकशिपु की बहन का नाम होलिका था, जिसे यह वरदान था कि वह अग्नि में नहीं जल सकती। दानवराज के कहने पर वह प्रह्लाद को गोद में लेकर लकड़ियों के ढेर में बैठ गई। लकड़ियों में आग लगा दी गई। होलिका आग में जल मरी और प्रह्लाद प्रभु कृपा से बच गया। इसी दिन की याद में हिंदू प्रतिवर्ष होली जलाते हैं। इस प्रकार हर वर्ष होलिका-दहन से पाप एवं बुराई के नष्ट होने की कामना की जाती है।

होली के अवसर पर जौ, चने आदि की फसल तैयार हो जाती है। लोग होली की अग्नि में हरे चने आदि भूनकर उसे वितरित करते हैं। शरद ऋतु की विदाई और गर्मी का स्वागत करने के लिए भी लोग अत्यंत उल्लास से इसे मनाते हैं। किसान पकी हुई फसलों को देखकर मस्ती में झूमते, नाचते-गाते हैं।

होली दो दिन मनाई जाती है। पहले दिन सायंकाल होलिका-दहन होता है। गली-मौहल्ले में किसी खुले स्थान पर ढेरों लकड़ियाँ इकट्ठी की जाती हैं। कुछ लोग छोटे-छोटे उपलों के हार भी लकड़ियों के उस ढेर पर जलाते हैं। लोग उसके चारों ओर परिक्रमा करते हैं। नए अन्न को भूना जाता है तथा प्रसाद का वितरण किया जाता है। अगले दिन फाग खेला जाता है। इस दिन सभी एक-दूसरे पर रंग डालते हैं। रंगों के इस पर्व से तो लोग मानो आनंद और उल्लास के सागर में पूरी तरह डूब जाते हैं। आजकल गुलाल मलने का प्रचलन अधिक है। कुछ लोग चंदन आदि का टीका भी लगाते हैं। लोग एक-दूसरे को मिठाइयाँ खिलाते हैं। एक-दूसरे पर रंग डालकर लोग गले मिलते हैं और पुरानी शत्रुता भुला देते हैं। दुःख की बात यह कि इस पवित्र तथा प्रेमपूर्ण पर्व पर भी कुछ लोग बुराइयों का शिकार हो जाते हैं। कुछ लोग शराब पीकर दुर्व्यवहार करते हैं और रंग व गुलाल के स्थान पर मिट्टी, कीचड़, पेंट आदि का प्रयोग करते हैं, जिससे कई बार झगड़े भी हो जाते हैं। ऐसी बातों से बचकर ही इस पर्व को मनाना सार्थक होगा।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखित विषयों पर निबंध लिखिए–

हमारे अध्यापक

क्रिसमस का त्योहार

17 संवाद-लेखन
(Dialouge-Writing)

दो लोगों में बातचीत करना ही **संवाद** कहलाता है। आइए, कुछ संवाद पढ़ें–

1. दो मित्रों के बीच संवाद

निखिल : अमित कैसे हो?

अमित : मैं ठीक हूँ, तुम अपनी सुनाओ ....; इतने दिनों से कहाँ थे?

निखिल : मैं कुछ बीमार था, मुझे मलेरिया हो गया था ....।

अमित : हे भगवान, कैसे?

निखिल : मच्छरों के काटने से, क्या करें हमारे इलाके में सफाई का प्रबंध अच्छा नहीं है।

अमित : यह तो बड़ी चिंता की बात है। कोई हल तो निकालना होगा।

निखिल : पर इसका क्या हल है?

अमित : तुम सब मौहल्लेवाले मिलकर नगर-निगम को एक पत्र लिखकर इसकी सूचना दो और स्वयं भी कूड़ा इधर-उधर मत डालो। स्वच्छता के विषय में सबको जागरूक बनाओ।

निखिल : अच्छा सुझाव है। हम पूरा प्रयास करेंगे।

अमित : ठीक है, मित्र।

2. माँ और नन्हीं के बीच संवाद

नन्हीं : माँ, क्या नाश्ता तैयार है?

माँ : हाँ, पर पहले तुम नहाकर आओ।

नन्हीं : माँ, आज मन नहीं कर रहा।

माँ : ये भी कोई बात है, प्रतिदिन नहाना आवश्यक है।

नन्हीं : रोज तो नहाती ही हूँ, अगर एक दिन नहीं भी नहाई तो क्या हर्ज़ है?

माँ : नहीं, अगर एक दिन नाश्ता न मिले तो ---- क्या यह ठीक है?

नन्हीं : पर माँ ----!

माँ : देखो बेटी, बिना नहाए ताजगी नहीं आती। पास बैठने वाले को भी बदबू आती है और दिनभर आलस छाया रहता है। गंदे शरीर पर बीमारी के कीटाणु पैदा होने का भी डर रहता है।

नन्हीं : ओह! यह तो मुझे पता ही नहीं था। ठीक है, मैं अभी नहाकर आती हूँ।

माँ : आते ही तुम्हें आलू के पराँठे और दही, नाश्ते में मिलेंगे।

नन्हीं : अरे वाह! तब तो मज़ा आ जाएगा।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

कल्पना से इनके संवाद भी लिखिए–

सब्ज़ीवाले और पिता जी के बीच संवाद

अध्यापक और छात्र के बीच संवाद

18 अपठित गद्यांश
(Unseen Passage)

अपठित का अर्थ है- जो पहले न पढ़ा हो। बच्चों! यहाँ हम कुछ ऐसे गद्यांश दे रहे हैं, जो शायद आपने कभी पहले नहीं पढ़े होंगे।

नीचे दिए गए गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए, सही उत्तर को चुनकर लिखिए–

1. रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद आज ईद आई है। कितनी सुहावनी सुबह है आज की। सूरज देखो कितना प्यारा, कितना ठंडा है! मानो दुनिया को ईद की बधाई दे रहा हो। कितनी हलचल है! ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं।

(क) गद्यांश में किस त्योहार की बात की जा रही है?

(क) रमजान की ☐ (ख) ईदगाह की ☐

(ग) ईद की ☐ (घ) तीस रोजों की ☐

(ख) किस धर्म को मानने वाले रोजे रखते हैं?

(क) ईसाई ☐ (ख) हिंदू ☐

(ग) इस्लाम ☐ (घ) सिक्ख ☐

(ग) सूरज तो गरमी देता है परंतु सूरज को उस दिन ठंडा कहा गया है क्योंकि–

(क) सूरज के अंदर उस दिन गरमी नहीं थी।

(ख) पूरा सूरज दिखाई नहीं दे रहा था।

(ग) आसमान और धरती पर बहुत हलचल हो रही थी।

(घ) त्योहार की खुशी में सूरज की गरमी महसूस ही नहीं हो रही थी।

(घ) रमजान है–

(क) एक पवित्र महीना ☐ (ख) किसी व्यक्ति का नाम ☐

(ग) किसी जगह का नाम ☐ (घ) एक पवित्र दिन ☐

(ङ) गद्यांश का सही शीर्षक होगा–

(क) रमजान का महीना ☐ (ख) ईद की तैयारियाँ ☐

(ग) तीस रोजे ☐ (घ) ईदगाह ☐

2. गांधी जी को हम केवल इसलिए ही याद नहीं करते कि उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में हमें विजय दिलवाई बल्कि इसलिए भी याद करते हैं कि उन्होंने लोगों की भलाई के लिए बहुत बड़े-बड़े काम किए। उन्हीं की कोशिशों से छुआछूत जैसी कुप्रथा समाप्त हुई। स्त्रियाँ घर से बाहर निकलकर देश के बड़े-बड़े काम करने लगीं। ग्रामवासियों ने अपने पैरों पर खड़े होना सीखा। हमारे देश में सब धर्मों को आदर मिला। गांधी जी की सबसे प्रिय धुन रामधुन थी।

(क) गांधी जी कौन थे?

(क) राष्ट्रपिता ☐ (ख) राष्ट्रपति ☐

(ग) राष्ट्रस्वामी ☐

(ख) लोकमंगल के बड़े-बड़े काम का अर्थ है–

(क) बड़ी-बड़ी इमारतें बनवाना ☐

(ख) लिखा-पढ़ी के बड़े-बड़े काम करना ☐

(ग) लोगों की भलाई के बड़े-बड़े काम करना ☐

(ग) 'पैरों पर खड़े होना' मुहावरे का अर्थ है–

(क) पैरों में शक्ति आना ☐ (ख) दूसरों का सहारा न लेना ☐

(ग) आत्मनिर्भर बनना ☐

(ग) रामधुन का मतलब है–

(क) रघुपति राघव राजा राम ☐ (ख) ये वतन हमारा है ☐

(ग) अंग्रेजों! जाओ यहाँ से ☐

(घ) ऊपर लिखे गद्यांश का सही शीर्षक होगा–

(क) सब धर्मों का आदर ☐ (ख) रामधुन ☐

(ग) गांधी जी ☐

3. कार्बन डाइ-ऑक्साइड एक विषैली गैस है। यदि यह हवा में अधिक मात्रा में हो, तो हम साँस नहीं ले सकते। धुएँ से भरे कमरे में आदमी जिंदा नहीं रह सकता। विषैली गैसों से भरे वातावरण में श्वास संबंधी बीमारियाँ हो जाती हैं और मनुष्य का जीवन छोटा हो जाता है। यदि हम स्वस्थ रहना चाहते हैं तो हमें अपने आस-पास के वातावरण को, हवा और पानी को साफ़ रखना होगा।

(क) कार्बन डाइ-ऑक्साइड क्या है?

____

(ख) मनुष्य का जीवन छोटा क्यों हो जाता है?

(ग) हम कौन-सी गैस साँस द्वारा अंदर लेते हैं और कौन-सी बाहर निकालते हैं?

(घ) स्वस्थ रहने के लिए हमें क्या करना होगा?

4. यदि हम एक वृक्ष काटते हैं तो उसकी जगह चार वृक्ष और लगाने चाहिए और उनकी रक्षा करनी चाहिए। वृक्ष ही इस धरती की हरियाली और सुंदरता को बढ़ाते हैं। उनकी ठंडी-ठंडी छाया में शांति और ठंडक मिलती है। पक्षियों का तो ये घर ही हैं। पेड़ की जड़ें अपने आस-पास की मिट्टी को जकड़े रखती हैं, जिससे तेज वर्षा में मिट्टी नहीं बहती।

(क) 'वृक्ष' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए।

(ख) वृक्षों को पक्षियों का घर क्यों कहा गया है?

(ग) पेड़ की जड़ें धरती को क्या लाभ पहुँचाती हैं?

(घ) हमें पेड़ क्यों लगाने चाहिए?

5. सेवा करने में अलग ही सुख है। एक बार सेवा करने की आदत पड़ जाए तो वह छूटती नहीं। बिना किसी लालच के दूसरों की सेवा करने वाली अच्छाई का कोई मुकाबला नहीं। सूरज बिना बदले की इच्छा रखे सबको धूप और रोशनी देता है, चाँद ठंडक पहुँचाता है, धरती अन्न देती है, पानी जीवन देता है, हवा प्राण देती है। इनकी बराबरी कौन कर सकता है?

(क) कौन-सी आदत एक बार पड़ने पर नहीं छूटती?

(ख) कैसा व्यक्ति सबको अच्छा लगता है?

(ग) सूरज की धूप और रोशनी से हमें क्या लाभ मिलता है?

19 अनुच्छेद-लेखन
(Paragraph-Writing)

अनुच्छेद-लेखन में एक ही अनुच्छेद होता है। वह अपने-आप में संक्षिप्त होते हुए भी पूर्ण होता है। उसमें भूमिका आदि का कोई स्थान नहीं होता। विषय के एक पक्ष पर विचार किया जाता है।

जैसा करोगे वैसा भरोगे

किसी ने ठीक ही कहा है– जैसा करोगे वैसा भरोगे। इस संसार में व्यक्ति जैसा करता है, वैसा ही फल पाता है। अच्छा करने वाले का अपने-आप ही भला हो जाता है। बबूल का पेड़ लगाने से आम नहीं मिलते, जो इस तथ्य से परिचित हो जाता है, वह कुछ भी गलत करने से पहले दस बार सोचता है, विचारता है। आज ऐसा भ्रम हो गया है कि बुरे काम करने वाला फल-फूल रहा है, पर यह स्थिति ज्यादा दिन नहीं चलने वाली। भगवान के घर देर हो सकती है, अँधेर नहीं। अच्छा कार्य करने वाले को उसका फल अवश्य मिलता है। चाहे उसे फल की प्राप्ति में देर ही क्यों न हो जाए! हमें चाहिए कि हमेशा अच्छे कार्य करते जाएँ, दूसरों को सुख देने का हरसंभव प्रयास करें।

बागवानी

बहुत-से लोग घर के पीछे बगीचे में या घर के आँगन में पौधे उगाते हैं। जिनके पास जमीन नहीं होती, वे गमलों में पौधे उगाते हैं। कुछ लोग सिर्फ गुलाब, जूही, गेंदा, आदि रंग-बिरंगे फूलों के ही पौधे उगाते हैं। कुछ लोग क्यारियों में साग-सब्जियों के पौधे उगाते हैं। जिनके पास ज्यादा जमीन होती है, वे नींबू, आम, चीकू, केले, आदि के पेड़ भी उगाते हैं। एक ओर बागवानी एक शौक है, बागवानी करने वालों को अपने पेड़-पौधों को देखकर बड़ा आनंद आता है। दूसरी ओर बागवानी लाभदायक भी है, हमें घर में ही फूल, साग-सब्जी, फल सब मिल जाते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज

हमारा राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' के नाम से प्रसिद्ध है। यह तीन रंगों की पट्टियों से मिलकर बना है– सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे हरे रंग की पट्टी है। सफेद रंग की पट्टी के बीच में अशोक चक्र है। केसरिया रंग हमें हमारे सैनिकों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। हरा रंग हरियाली का प्रतीक है। सफेद रंग हमें सत्य, अहिंसा, सुख व शांति का संदेश देता है। सफेद रंग के बीच में स्थित अशोक चक्र अशोक महान द्वारा बनवाए गए सारनाथ के स्तंभ से लिया गया है। यह हमें अशोक के महायुग की याद दिलाता है। तिरंगा हमारे देश की शान है। यह हमें त्याग, बलिदान, वीरता, शांति और खुशहाली का संदेश देता है।

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखिए–

(क) **जल–एक अमृत**

____
____
____
____
____
____
____
____

(ख) **कंप्यूटर**

____
____
____
____
____
____
____
____

2. अब आप अनुच्छेद लिख लेंगे। नीचे लिखे विषयों पर इसी प्रकार अनुच्छेद लिखिए–

(क) सदा सत्य बोलो

(ख) लालच बुरी बला

(ग) आम का पेड़

(□ा) मैंने सब्जी खरीदी

(□) गृहकार्य का पहाड़

(च) मुझे पुरस्कार मिला

(छ) वह सपना

(ज) समय का सदुपयोग

(□ा) मेरा झूठ

(□ा) दादा जी का चश्मा